H.N.B. Govt. P.G. COLLEGE

KHATIMA

DEPARTMENT OF B.Ed.

2022-2024

PRACTICAL WORK

OF PSYCHOLOGY

OF DEVELOPMENT AND LEARNING

Submitted To:

Dr. Rekha Deo Mam

Submitted by:

Rajani Roy
Class → B.Ed. 1st Sem.
Roll No. → 37

Expt. No. प्रयोग संख्या - 1

Date

Page No.

"दर्पण आरेख विधि द्वारा सीखने का स्थानान्तरण"

अर्थ एवं परिभाषा-

→ प्रस्तुत प्रयोग सीखने के स्थानान्तरण से सम्बन्धित है।

स्थानान्तरण का सामान्य अर्थ है किसी वस्तु अथवा व्यक्ति को एक स्थान से हटाकर दूसरे स्थान पर रखना। सीखने के सन्दर्भ में स्थानान्तरण का अर्थ होता है किसी एक क्षेत्र में सीखे हुये ज्ञान एवं कौशल का किसी दूसरे क्षेत्र के ज्ञान अथवा कौशल के सीखने में प्रयोग होना। इसमें किसी कौशल (Skill) के प्रशिक्षण का, किसी अन्य कौशल विशेष के प्रशिक्षण में पड़ने वाला प्रभाव भी सम्मिलित होता है क्योंकि ज्ञानार्जन और कौशल प्रशिक्षण, दोनों सीखने की प्रक्रिया के अन्तर्गत ही आते हैं।

"सामान्यत: सीखने के एक क्षेत्र में विकसित होने वाले ज्ञान एवं कौशलों का और सोचने, अनुभव करने या कार्य करने की आदतों का सीखने के किसी दूसरे क्षेत्र में प्रयोग करना प्रशिक्षण का स्थानान्तरण कहा जाता है।"

—क्रो एवं क्रो

"स्थानान्तरण, परिस्थिति विशेष में सीखे हुये ज्ञान, कौशलों, आदतों, अभिवृत्तियों और अन्य अनुक्रियाओं का, किसी अन्य परिस्थिति में प्रयोग करना है।"

— W.B. कोलैस्निक

Teacher's Signature

Date

Expt. No.

Page No.

4. **क्षैतिज स्थानान्तरण** – जब किसी एक ही स्तर की कक्षा में किसी एक क्षेत्र में सीखा हुआ ज्ञान अथवा कौशल उसी कक्षा के किसी दूसरे क्षेत्र में सीखे जाने वाले ज्ञान अथवा कौशल में सीखने में सहायक होता है तो इसे क्षैतिज स्थानान्तरण कहते हैं; जैसे – कक्षा 10 में सीखे हुये गणित के ज्ञान एवं कौशल का उसी कक्षा के विज्ञान की संख्यात्मक समस्याओं के हल करने में सहायक होना।

5. **लम्बीय स्थानान्तरण** – जब किसी पूर्व कक्षा में किसी एक क्षेत्र में सीखा हुआ ज्ञान अथवा कौशल उससे आगे की कक्षा में उसी क्षेत्र में सीखे जाने वाले ज्ञान अथवा कौशल के सीखने में सहायक होता है तो इसे लम्बीय स्थानान्तरण कहते हैं; जैसे – कक्षा 10 में सीखे जाने वाले गणित के ज्ञान एवं कौशल का कक्षा 11 में सीखे जाने वाले गणित के ज्ञान एवं कौशल के सीखने में सहायक होना।

6. **एक पक्षीय स्थानान्तरण** – जब शरीर के किसी एक अंग द्वारा सीखा हुआ कोई कौशल उसी अंग द्वारा किसी दूसरे कौशल को सीखने में सहायक होता है तो इसे एक पक्षीय स्थानान्तरण कहते हैं; जैसे – बाएँ हाथ से कपड़ा सीने के कौशल का बाएँ हाथ से लिखना सीखने में सहायक होना।

7. **द्विपक्षीय स्थानान्तरण** – जब शरीर के किसी एक अंग द्वारा सीखा हुआ कोई कौशल शरीर के दूसरे अंग द्वारा उसी कौशल को या अन्य किसी कौशल को सीखने में सहायक होता है तो इसे द्वि-पक्षीय स्थानान्तरण कहते हैं; जैसे- दाएँ हाथ से लिखने के कौशल का बाएँ से हाथ से लिखना अथवा तलवार चलाना सीखने में सहायक होना।

Teacher's Signature

Expt. No. _____ Date _____ Page No. _____

प्रयोज्य परिचय

नाम - हर्षिता

कक्षा - 8th

लिंग - महिला

आयु - 13 वर्ष

मानसिक स्थिति - अच्छी

विद्यालय - राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज टनकपुर (चम्पावत)।

प्रयोग सामग्री-

स्टार पेपर
दर्पण यन्त्र
स्टॉप वॉच
कागज
पेन्सिल

निर्देश-:

1- प्रयोज्य को निर्देश दिया गया की प्रयोग प्रारम्भ होने से पहले उसे संकेत दिया जायेगा जिसे सुनकर आप तैयार हो जायेंगें।

Teacher's Signature _____

क्रम संख्या	प्रयास	समय	त्रुटियाँ
1.	बांयें हाथ से किया गया पहला प्रयास	3min. 45Sec.	32
2.	बांयें हाथ से किया गया दूसरा प्रयास	2min. 40Sec.	27
3.	दांये हाथ से किया गया पहला प्रयास	2min. 50 Sec.	12
4.	दांये हाथ से किया गया दूसरा प्रयास	2min. 30Sec.	12
5.	दांये हाथ से किया गया तीसरा प्रयास	2min. 10 Sec.	8
6.	दांयें हाथ से किया गया चौथा प्रयास	2min. 2 Sec.	7
7.	दांये हाथ से किया गया पांचवा प्रयास	1 min. 40Sec.	5
8.	दांये हाथ से किया गया छठा प्रयास	1 min. 10 Sec.	6
9.	दांये हाथ से किया गया सांतवा प्रयास	1min. 4 Sec.	6
10.	दांये हाथ से किया गया आंठवा प्रयास	1min. 2Sec.	3
11.	पुनः बांयें हाथ से किया गया पहला प्रयास	2minut	8
12.	पुनः बांयें हाथ से किया गया दूसरा प्रयास	1min. 50 Sec.	5

Date

Expt. No. Page No.

2- स्टार्ट का संकेत देते ही प्रयोगकर्ता स्टॉप वॉच (विराम घड़ी) को प्रारम्भ कर देगा।

STAR PAPER

Learning by Mirror Drawing (दर्पण विधि द्वारा सीखना)

Please fill up the following informations (कृपया निम्न सूचनाएँ भरिये) :–

Name (नाम) हर्षिता Age (आयु) 13 Sex (लिंग) महिला

College (कॉलेज) राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज टनकपुर (चम्पावत)

Date (दिनांक) 20/02/23 Time (समय) 3 Min. 45 Sec.

Trial (प्रयास सं.) बांये हाथ से प्रथम प्रयास Errors (त्रुटियाँ) 32

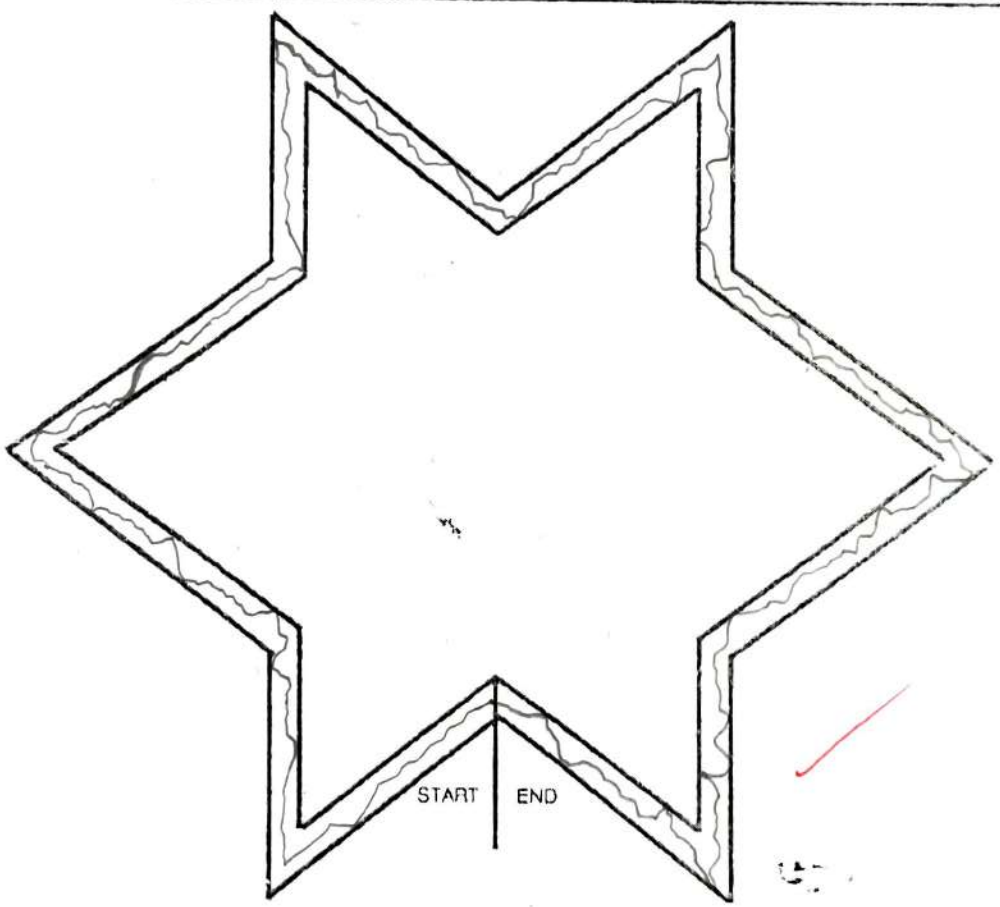

बीच में
सितारे के
करेगी

दाँये हाथ
करना है।

देये गये।

प्रयास
हाथ से

क होता है।

चर-

स्वतंत्र चर → स्टार पेपर।

आश्रित चर → स्टार पेपर पर की गयी अनुक्रिया।

Teacher's Signature

STUDY ON THE OCCURRENCE OF SOME PHYTOPATHOGENIC FUNGI ON SELECTIVE PLANT SPECIES FROM TANAKPUR REGION

PROJECT DESSERTATION

By

MANSI KOTHARI.

SUBMITTED TO

KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL

FOR THE PARTIAL FULFILMENT OF THE REQUIREMENT FOR THE DEGREE OF MASTER OF SCIENCE IN BOTANY

H. N. B. Govt. P. G. College, Khatima
(Udham Singh Nagar)

Problems faced by Rice growing farmers: A case of Udham Singh Nagar District

PROJECT DESSERTATION

By

Rekha

SUBMITTED TO
KUMAUN UNIVERSITY,NAINITAL

FOR THE PARTIAL FULFILMENT OF THE REQUIREMENTS FOR THE DEGREE OF

MASTER OF SCIENCE IN BOTANY

H.N.B.GOVT.P.G.COLLEGE KHATIMA, U.S.NAGAR
(UTTARAKHAND)

September,2022

"STUDY OF INFLORESCENCE IN KHATIMA LOCALITY"

A Project

Submitted to

Kumaun University Nainital

In partial fulfillments of requirements for the degree of

MASTER OF SCIENCE IN BOTANY

Submitted by:

Miss Pooja Joshi

Under the supervision of :

Dr. Anjna Bhatt

(Associate Professor)

(Department of Botany)

14/X/2020

H.N.B.GOVT.P.G.COLLEGE, KHATIMA

KUMAUN UNIVERSITY

NAINITAL

HEMVATI NANDAN BAHUGUNA GOVERNMENT POST GRADUATE COLLAGE KHATIMA

ASSIGNMENT OF BIOTECHNOLOGY

(PAPER – III)

NAME – AFIZA ALI

CLASS – M.Sc. BOTANY

SEM. – 3

ROLL NO. – 210310640001

HNB GOVT PG COLLEGE

2022-23

SUBJECT - BOTANY

TOPIC - AGARICUS

PAPER - 1

SUBMMITED FROM

MANSI BOHRA

SUBMMITED TO

MRS. Anjana MAM

H.N.B.PG COLLEGE KHATIMA

ASSIGNMENT WORK

Topic - Nitrogen Fixation

Sub- Plant Physiology & Biochemistry

SUBMITTED TO:

BOTANY DEPARTMENT:

Submitted By: Sneha Mahar

FLUID-MOSAIC MODEL

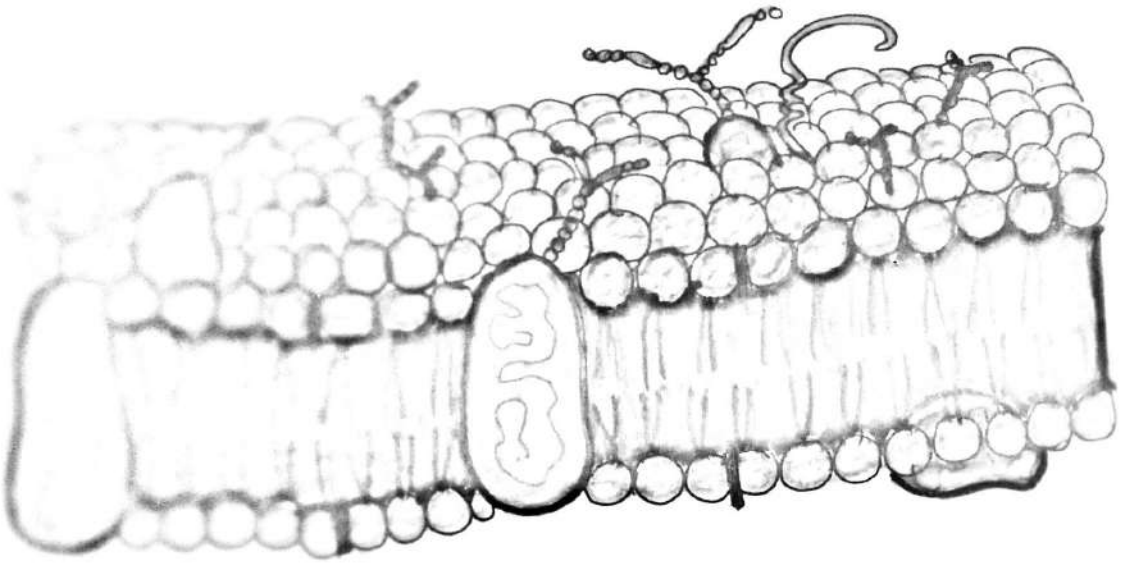

PLASMA MEMBRANE

Assignment Of Botany

Name - Mansi Chauhan

Course - BSc [ZBC], 1st yr.

Topic - Nutrition in Bacteria.

Sub topic -
- Bacteria
- Heterotrophic Bacteria
- Autotrophs
- Heterotrophs
- Chemotrophs
- Photoautotrophic
- Photosynthetic Bacteria
- Cyanobacteria

डी.ए.व. राज. स्नातकोत्तर महाविद्यालय

खटीमा ऊ.सिं.नगर (उत्तराखण्ड)

कुमाऊँ विश्वविद्यालय
1973
सर्वं ज्ञाने परिसमाप्यते

इतिहास विभाग

1. डॉ0 राधेश्याम	1998–99
2. डॉ0 रीटा शर्मा (विभाग प्रभारी)	1999–2017
3. डॉ0 नरेश कुमार	2008–14
4. डॉ0 के. के. मिश्रा	2016–
5. डॉ0 मधुकेश गुप्ता (विभाग प्रभारी)	2017–18
6. डॉ0 के. के. मिश्रा (विभाग प्रभारी)	2018–अद्यतन
7. अपर्णा सिंह	2018–19
8. डॉ0 प्रशान्त जोशी	2020–

इतिहास वीथिका
महाराणा प्रतापसिंह
1857
भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम
गवर्नर
महात्मा गाँधी
स्वच्छ
भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
अशोक चक्र
Gautama Buddh
मुगल स्थापत्य कला की प्रमुख इमारते
प्रागैतिहासिक भारत
प्रागैतिहासिक भारत का समय
लार्ड डलहौजी का जीवन परिचय
प्रमुख समाज सुधारक
गोस्वामी तुलसीदास जी
उत्तराखण्ड
THE WORLD
INDIA
Notice Board
DEPARTMENT OF
HIGHER EDUCATION
उत्तराखण्ड शासन
UTTARAKHAND

Gautama Buddh

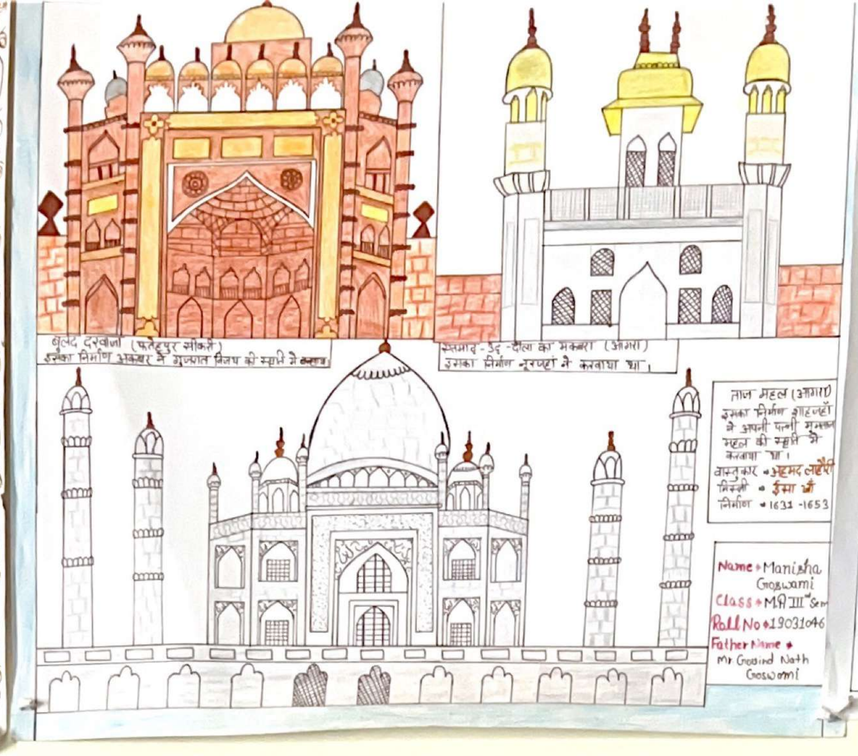

नाम- निशा राना
पिता का नाम- पूरन सिंह राना
कक्षा - एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
विषय - इतिहास
रोल नं - 190310460063

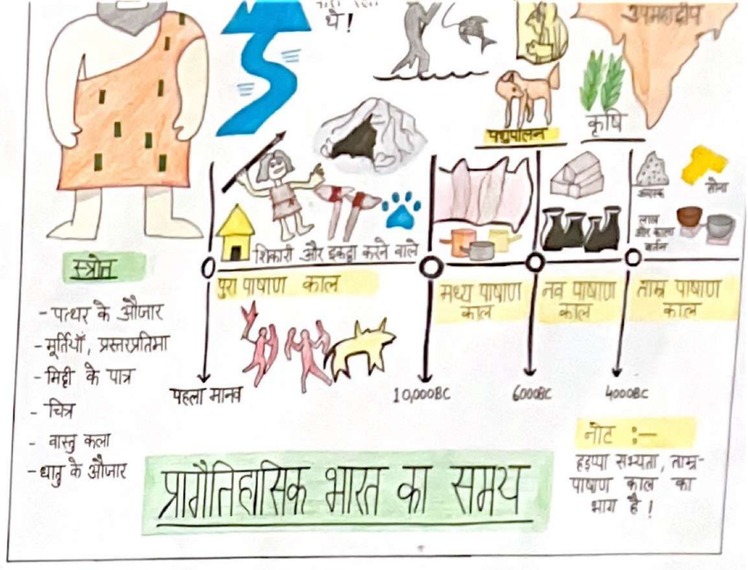

मी तुलसीदास जी

े विपत्ती के, विद्या विनय विवेक ।
हमी सुसत्यव्रत, राम भरोसे एक ॥

नाम = शिल्पी राना
पिता = श्री सौमित्र सिंह
कक्षा = MA III Sem
वर्ष = 2021

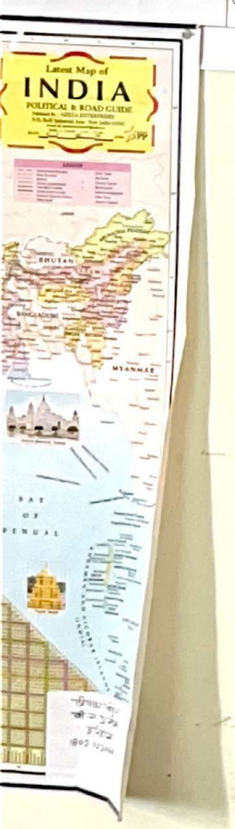

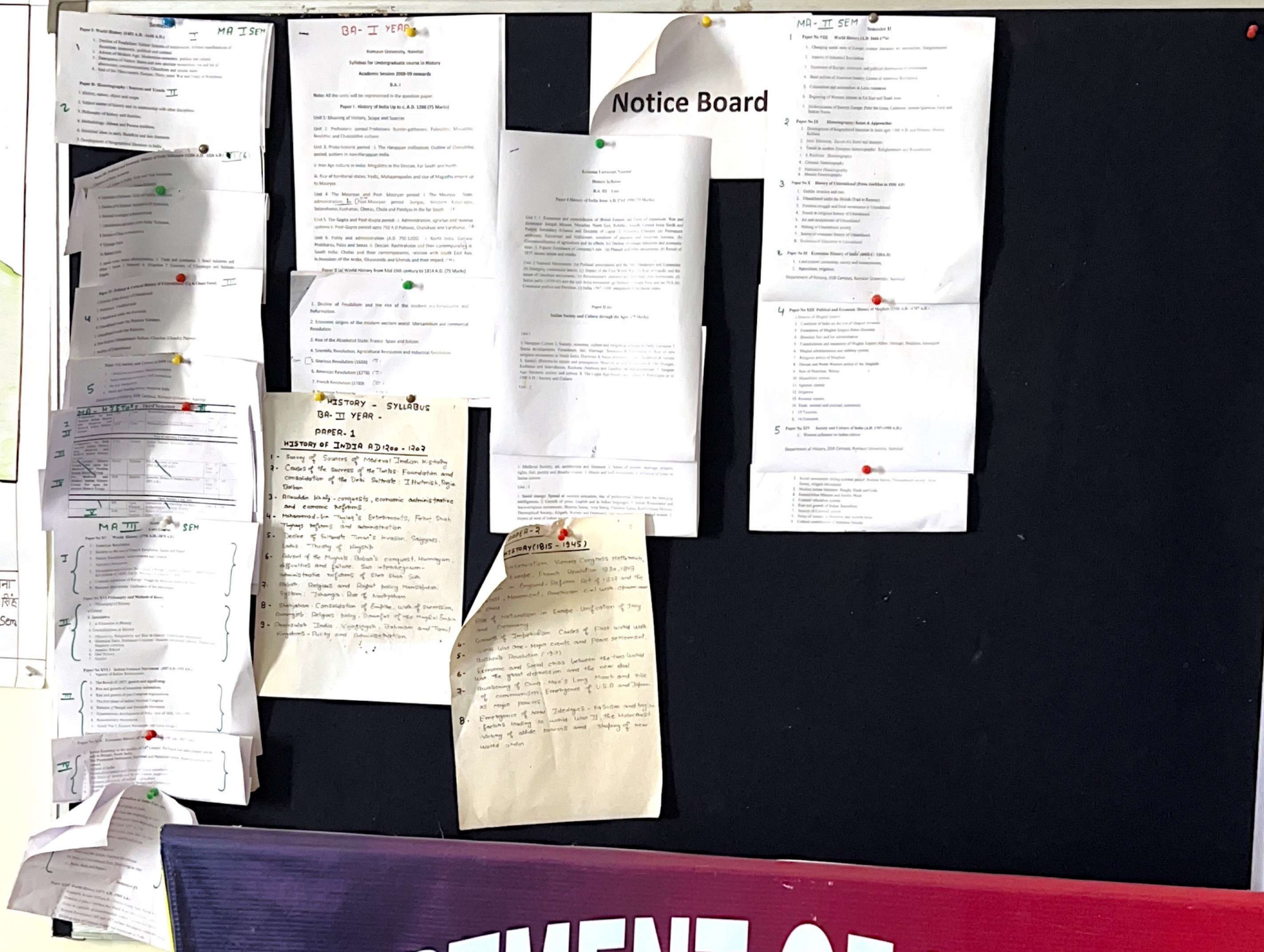

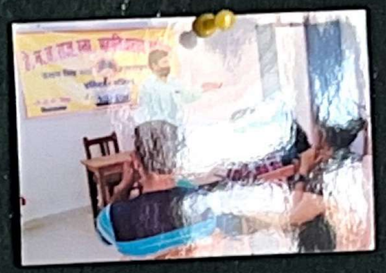

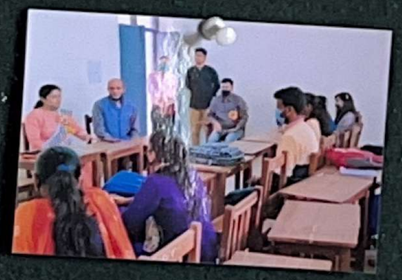

विभागीय गतिविधियां

MAHATMA GANDHI
अकबर
(1556-1605)
1857 की क्रांति के नायक बागी

हेमवती नन्दन बहुगुणा
राजकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय
"2023-24"

नाम - प्रतिभा झा

पिता का नाम - स्व॰श्री विभूति नाथ झा

कक्षा - एम॰ए॰-[तृतीय सत्रार्ध]

विषय - इतिहास -
(मध्यकालीन और आधुनिक भारत का इतिहास)

अनुक्रमांक - 21031046 0066

विषय अध्यापक- डॉ॰ के॰ के॰ मिश्रा
- डॉ॰ प्रशांत जोशी

नाम - धीरज कुमार

कक्षा - M.A. III sem

विषय - इतिहास

रोल नं:- 21031046 0005

पिता का नाम - हलिन्दर सेन

कॉलेज - हेमवती नन्दन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा

H.N.B. GOVT. P.G. COLLEGE

KHATIMA

M.A. HISTORY ASSIGNMENT

NAME- ANKUR KUMAR VERMA

FATHER'S NAME – MR. YOGENDRA VERMA

SEMESTER -3rd

ROLL NO- 210310460003

नाम → विनय कुमार
कक्षा → M.A III (सेमेस्टर)
विषय → इतिहास
रोल नः → 2103104600027
मोबाइल नं: → 8126555076
पिता का नाम → श्रीमहेश प्रसाद
कॉलेज → हेमवती नन्दन बहुगुणा
राजकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय खटीमा
ऊधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)

H. N. B. Govt.
P. G. College
Khalima.

Name — Dinar Jahan.

Class — M. A. IIIrd Sem

Subject — History

Roll No. — 20031046 0041

Fathers Name. — Shakeel Ahmad

EDUCATION

NAME - RUCHI BISHT

SEC - B.A. 1st SAM.

COLLEGE - H.N.B.P. Gov.

Scanned with CamScanner

H.N.B. GOVT. P.G. COLLEGE KHATIMA

Session
2022-23

Project file of Education B.A. 3rd Y

TOPIC - MENTAL FATIGUE

Roll No. - 2003110370

Enrollment No. - 19128857

SUBMITTED TO:
Miss. Reena Singh

SUBMITTED BY
Pawanjeet Kaur

Scanned with CamScanner

H.N.B.P.G. COLLEGE KHATIMA

NAME ~ SIMRAN

CLASS ~ B.A. I SAM

ROLL NO ~

SUBJECT ~ EDUCATION

SUBJECT TEACHER ~ MRS. NAMITA MAM

Scanned with CamScanner

NAME PRIYA CHAND

CLASS B.A. 1st SAM.

SUBJECT EDUCATION

COLLEGE H.N.B.P.G

Scanned with CamScanner

Biodata

- Name ⇒ Neelam
- Class ⇒ B.A Ist sem.
- Roll No ⇒
- Subject ⇒ Education
- Father's Name ⇒ Mr. Ram Autar
- callage Name ⇒ H.N.B.
- P. G. College, Khatima
- Teacher's Name ⇒

Scanned with CamScanner

H.N.B.P.G.

COLLEGE KHATIMA

NAME - RANJANA RANA

PROLLNO. - 7668267741

ROLLNO. - 21031047005O

SUBJECT - ENGLISH

PAPER - 3rd

TOPIC - KAMLA DAS AS A CONFESSIONAL POET

Scanned with CamScanner

H.N.B.P.G.

COLLEGE KHATIMA

NAME - RANJANA RANA

ROLLNO. - 21031047 0050

SUBJECT - ENGLISH

PAPER - IV th

TOPIC - KIRAN DESAI : INHERITANCE OF LOSS

Scanned with CamScanner

KUMAUN UNIVERSITY

H.N.B.G.P.G. COLLEGE, KHATIMA

ENGLISH LITERATURE

Name: Apoorva Bisht

Class: M.A. (III Sem.)

Roll no.: 210310470021

Submitted to: Dr. Roma Guha

Scanned with CamScanner

KUMAUN UNIVERSITY

H.N.B.G.P.G COLLEGE, KHATIMA

ENGLISH LITERATURE

Name : Soniya Goswami

Class : M.A. (III Sem)

Roll no. : 210310470064

Submitted to : Dr. Rama Guha

Scanned with CamScanner

Session - 2023

HEMWATI NANDAN BAHUGUNA
GOVERNMENT POST GRADUATE COLLEGE
KHATIMA, U.S. NAGAR.

NAME - AKASH UPADHYAY
CLASS - M.A (English)
SEMESTER - Ist
SUBJECT - English
Q. PAPER - 1 to 5
F. NAME - S.C UPADHYAY.
SUBMITTED TO - Dr. ROMA GUHA.

Scanned with CamScanner

MEDICINAL IMPORTANCE OF LEPIDIUM SATIVUM

2021-2022

A thesis submitted in partial fulfilment for the award of the degree

for

MASTER OF SCIENCE IN CHEMISTRY

Submitted By
KAJAL RAWAT
(Roll No. 200310660007)

Under the supervision of
Dr. JYOTI AGARWAL
Assistant Professor

DEPARTMENT OF CHEMISTRY

HEMWATI NANDAN BAHUGUNA
GOVERNMENT POST GRADUATE COLLEGE KHATIMA
(U.S. NAGAR), UTTARAKHAND – 262308, INDIA

JULY 2022

"ANTISPTICS AND DISINFCTANTS"

A Thesis Submitted

In partial fulfillement for the award of the degree for

MASTER OF SCIENCE
IN
CHEMISTRY

Submitted By

ANAND PRAKASH

(Roll No. 180310660001)

Under The Supervision Of

Dr. ASHISH KUMAR

Professor

Department of Chemistry,Hemwati Nandan Bahuguna Government Post Graduate College Khatima (U.S.Nagar) Uttarakhand -262309, India

JULY 2020

ASSIGNMENT

FOR

INORGANIC

CHEMISTRY

NAME - SHEKHAR KUMAR
CLASS - M.SC - I SEM 2021
H.N. B.G. P.G COLLAGE KHATIMA

ASSIGNMENT OF

Chemistry

M.Sc - IVth Sem

H.N.B. Govt. P.G. College

KHATIMA

Submitted by → KAJAL RAWAT

Roll No. → 20031066 0007

CHEMISTRY ASSIGNMENT

H.N.B. P.G. COLLEGE, KHATIMA

Submitted by:
SANDEEP GAHTORI
M.Sc. I st Semester

Submitted to:
Dr. JYOTI AGARWAL

CRYPTO CURRENCY

नशा इसमे खूब है, पर ये नही है कोई वाइन,
लोग कहते हैं इसे डिजिटल करेंसी,
नाम है इसका बिटकॉइन

Kumaun University
H.N.B.P.G. COLLEGE
Faculty of Commerce

Online payment process

Facilities by Commerce Department HNBPG College Khatima

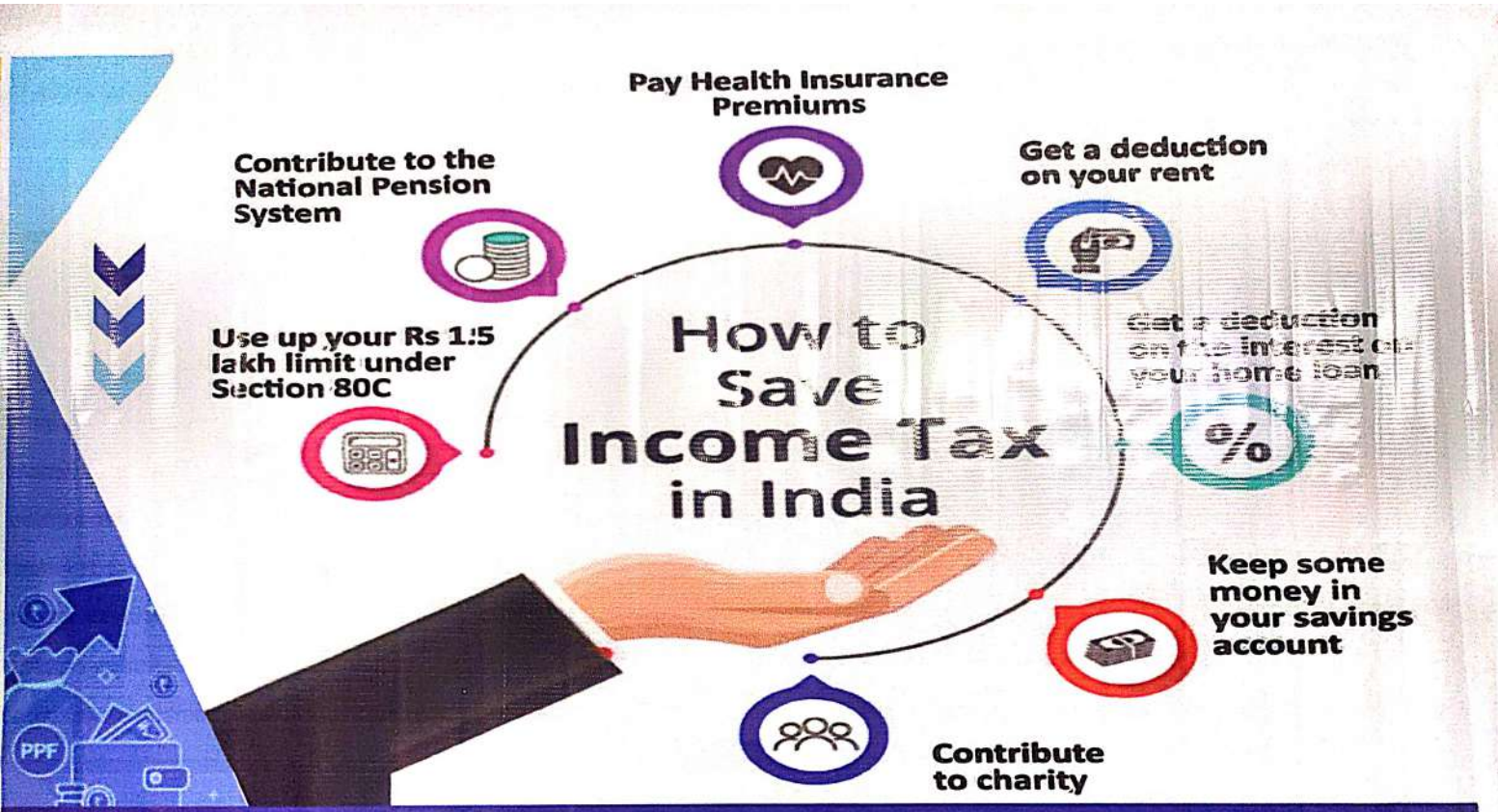

KUMAUN UNIVERSITY

HNBGPG College, Khatima | Commerce Department

COMMERCE DEPARTMENT

A Complete Guide on Headless Commerce Development

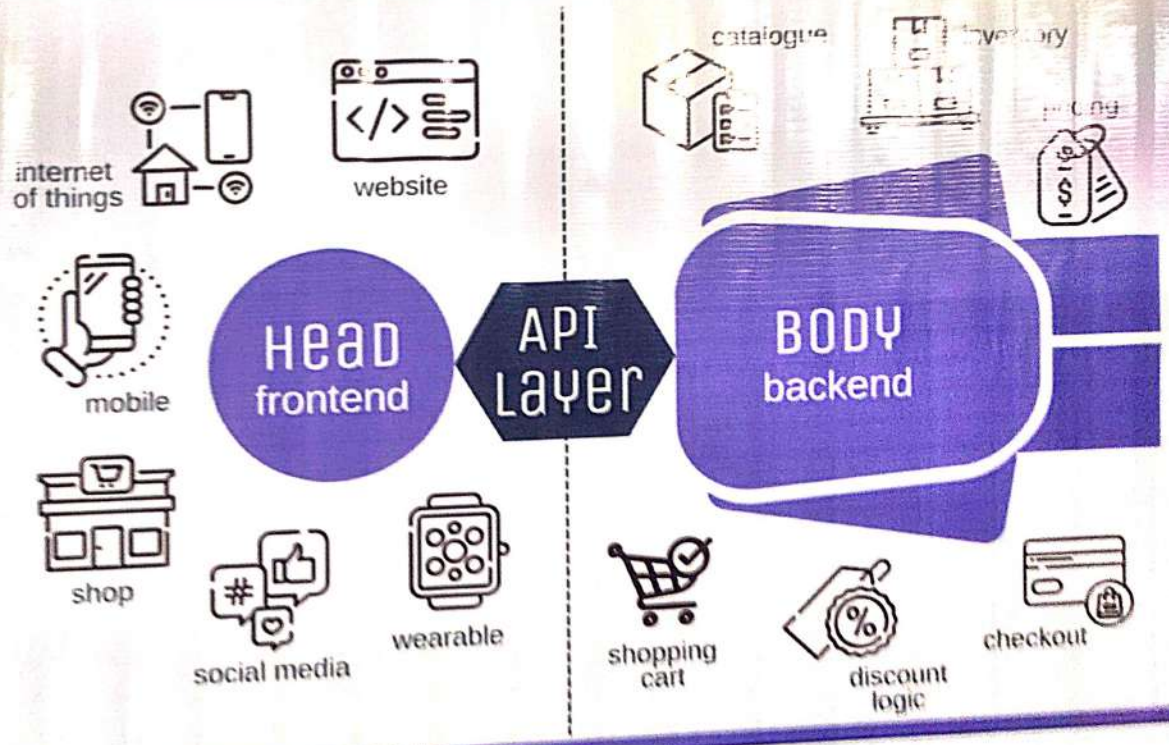

MY MOBILE...MY BANK...MY WALLET...

TRANSACTION WITHOUT CASH IS POSSIBLE!!

IF ALL OF US START TRANSACTING THROUGH ONLINE AND MOBILE BANKING, IT WOULD BE OUR GREAT CONTRIBUTION TOWARDS ERADICATING CORRUPTION AND BLACK MONEY FROM OUR COUNTRY.

HEMWATI NANDAN BAHUGUNA GOVERMENTS PG COLLEGE, KHATIMA

COMMERCE DEPARTMENT

H.N.B Govt. P.G College Khatima.

Topic: Business Management & its Functions.

Session: 2021-23.

Name → Ruchi Upadhyay.

Class → M.Com.

Semester → I sem.

Registration No → 218116225.

Topic

Exp. PG. #

Date / /

H. N. B. Govt. P. G. College Khatima

Seminar Of M.COM Ist Sem.

Topic → Social Responsibilities Of Business Management

Name → Firdous

Enrollment No. → KU18103070

Teacher's Signature

H.N.B.G.PG COLLEGE KHATIMA

—: TOPIC :—

MONETARY POLICY

SEMESTER - 1

NAME - NEELAM

SUBJECT - SEMINAR WRITE-UP AND PRESENTATION.

Business Environment

CLASS - M.COM

KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL

H.N.B.G.PG. COLLEGE

COMMERCE FACULTY

Presentation

Topic → Obstacles to Economic Development

Submitted by -
Pooja Samant
M. Com [Ist sem]

Submitted to -
Dr. Ashutosh Kumar Sir
Gagan Sir
Dr. H.M. Singh Sir

Presentation

H.N.B.G.P.G. College KHATIMA (U.S. Nagar)

Subject - Semminar

Topic - Significance and Nature of Business Enviroment Componets internal & External Enviroment, changing.

Submitted To-
Dr. Houndra Mohan Sir

Submitted By
Neha Prajapati
(M.com Ist Sem)

Registration No-
21811 6859

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

नाम => शिवांगी मिश्रा

उच्चर व्यष्टि अर्थशास्त्र

Paper - I

M.A Ist Semester

Scanned with OKEN Scanner

उपभोक्ता की बचत

उपभोक्ता की बचत की धारणा को प्रथम बार 1844 में फ्रांसीसी अर्थशास्त्री प्रो॰ ड्यूपिट ने दिया था। बाद में इस विचार को प्रो॰ मार्शल ने अपनी पुस्तक Principles of Economics में वैज्ञानिक ढंग से प्रस्तुत किया।

उपभोक्ता की बचत के परिभाषाएं :-

प्रो॰ मार्शल के अनुसार ⇒

किसी वस्तु के उपभोग से वंचित रहने की अपेक्षा उपभोक्ता जो कीमत देने के लिए तत्पर रहता है तथा जो कीमत वास्तव में देता है इन दोनों का अन्तर ही अतिरिक्त सन्तोष का आर्थिक माप है इसको उपभोक्ता की बचत कहा जाता है।

Scanned with OKEN Scanner

प्रो० मेहता के अनुसार =>

किसी व्यक्ति को किसी वस्तु से मिलने वाली उपभोक्ता की बचत इस वस्तु से मिलने वाली उपयोगिता और उस वस्तु को प्राप्त करने के लिए त्यागी गयी उपभोक्ता का अन्तर है।

प्रो० पेन्सन के अनुसार =>

जो कुछ हम देने के लिए तैयार है और कुछ वास्तव मे हम देते है इन दोनो के अन्तर को ही हम उपभोक्ता की बचत कहा जाता है।

-: उपभोक्ता की बचत का माप :-

उपभोक्ता की बचत का अधार:-

कुल तथा सीमान्त उपयोगिता मे अन्तर

प्रो० मार्शल के अनुसार =>

एक उपभोक्ता किसी वस्तु की उतनी कीमत देने के लिए तैयार रहता है जितनी उस वस्तु की प्रथम इकाई

के उपभोग से उसे कुल उपयोगिता प्राप्त होती है। उपयोगिता ह्रास नियम के कारण एक उपभोक्ता उपभोग की जाने वाली वस्तु की प्रथम इकाई के लिए अन्य इकाइयों की अपेक्षा अधिक त्याग करना चाहता है क्योंकि पहली इकाई की उपयोगिता बाद की इकाईयों से अधिक होती है परन्तु उपभोक्ता सभी इकाइयों का समान मूल्य देता है। उपभोक्ता का यह क्रम तब तक चलता रहता है, जब तक वस्तु से प्राप्त होने वाली सीमान्त उपयोगिता कीमत के बराबर नही हो जाती। उपभोग के इस क्रम मे सीमान्त इकाई से पूर्व की सभी इकाइयों की सीमांत उपयोगिता कीमत से अधिक होती है इसलिए उपभोक्ता को सीमांत इकाई से पूर्व की प्रत्येक इकाई से कुछ-न कुछ बचत अवश्य प्राप्त होती है यही उपभोक्ता की बचत है।

इस प्रकार कुल उपयोगिता (T.U) तथा सीमान्त उपयोगिता (M.U) के अन्तर से यह स्पष्ट होता है कि उपभोक्ता को एक वस्तु की क्रय की जाने वाली अन्तिम इकाई से पहले

वह जितनी इकाइयों का क्रय करता है उनसे अन्तिम इकाई से प्राप्त होने वाली सीमांत उपयोगिता की अपेक्षा अधिक उपयोगिता प्राप्त होगी प्रत्येक वस्तु विभिन्न इकाईयों से प्राप्त होने वाले सीमांत उपयोगिता की अपेक्षा अधिक उपयोगिता प्राप्त होगी। प्रत्येक वस्तु की विभिन्न इकाईयों से प्राप्त होने वाले इस आधिक्य के प्रयोग से ही उपभोक्ता की बचत कहते हैं।

मान्यताएं :-

i) उपयोगिता मापनीय है :-

मार्शल ने उपयोगिता को मुद्रा मे मापनीय माना है उनके अनुसार हम जिस वस्तु को क्रय करने के लिए जितनी कीमत देना चाहते हैं वह कीमत ही वस्तु की उपयोगिता कही जायेगी।

ii) पूर्ण प्रतियोगिता की धारणा =>

उपभोक्ता

की बचत के लिए पूर्ण ज्ञान होना चाहिए।

(iii) स्थानापन्न वस्तु का अभाव => मार्शल की मान्यता के अनुसार उपभोग की जाने वाली वस्तु की स्थानापन्न वस्तु नही होती है।

(iv) उपयोगिता ह्रास नियम का लागू होना => मार्शल ने उपभोक्ता की बचत का आधार सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम माना है।

तालिका द्वारा उपभोक्ता की बचत की व्याख्या

माना एक उपभोक्ता नारंगियों का उपभोग करना चाहता है पूर्ण प्रतियोगिता की मान्यता के अनुसार बाजार में नारंगियों का मूल्य 30 पैसे प्रति नारंगी निश्चित हो हुआ है। उपभोक्ता ज्यों-ज्यों नारंगियों का उपभोग करता है। त्यो-त्यो नारंगी से मिलने वाली उपयोगिता घटते हुए क्रम मे प्राप्त होती है। उपभोक्ता नारंगियों की। जिन इकाइयों को पहले क्रय

करता है उससे उसे अधिक उपयोगिता मिलती है इसलिए वह प्रारम्भ की इकाइयों के लिए अधिक पैसा देने को तत्पर है परन्तु उसे नारंगी नारंगी 30 पैसे में ही उपलब्ध हो जाती है। उपभोक्ता नारंगियों के उपभोग को तब तक चालू रखता है जब तक की नारंगी की अन्तिम इकाई से प्राप्त उपयोगिता उसके लिए त्यागी गई मुद्रा की सीमांत उपयोगिता के बराबर न हो जाये।

नारंगी की इकाई	सीमांत उपयोगिता (कीमत जिसे उपभोक्ता देने को तत्पर है)	नारंगी की कीमत (वास्तव में जो दी जाती है)	उपभोक्ता की बचत
1	100	30	100-30 = 70
2	90	30	90-30 = 60
3	70	30	70-30 = 40
4	60	30	60-30 = 30
5	50	30	50-30 = 20
6	30	30	30-30 = 0
उपयोगिता का कुल योग	400	180	200

Scanned with OKEN Scanner

तालिका से यह स्पष्ट है कि क्रेता नारंगी की पहली इकाई को क्रय करने के लिए 100 पैसे देने तक तैयार है परन्तु बाजार में उसे नारंगी 30 पैसे में ही मिल जाती है उपभोक्ता को नारंगी की पहली इकाई से जो बचत होती है उसे बचत को हम इस प्रकार से रख सकते हैं (100 - 30 = 70) अतः नारंगी की प्रथम इकाई से उपभोक्ता की बचत 70 इकाइयों के बराबर है। नारंगी की दूसरी इकाई से होने वाली उपभोक्ता की बचत (90 - 30 = 60) इकाईयों के बराबर है। इस प्रकार तीसरी चौथी पांचवी तथा छठी इकाई से प्राप्त होने वाली उपभोक्ता की बचत क्रमशः 40, 30, 20 व शून्य इकाईयों के बराबर है उपभोक्ता की कुल बचत 220 है।

उपभोक्ता की बचत = TU - [P X N]

TU = कुल उपयोगीता का योग
P = वस्तु की कीमत
N = वस्तु की क्रय की गई कुल इकाईया

Scanned with OKEN Scanner

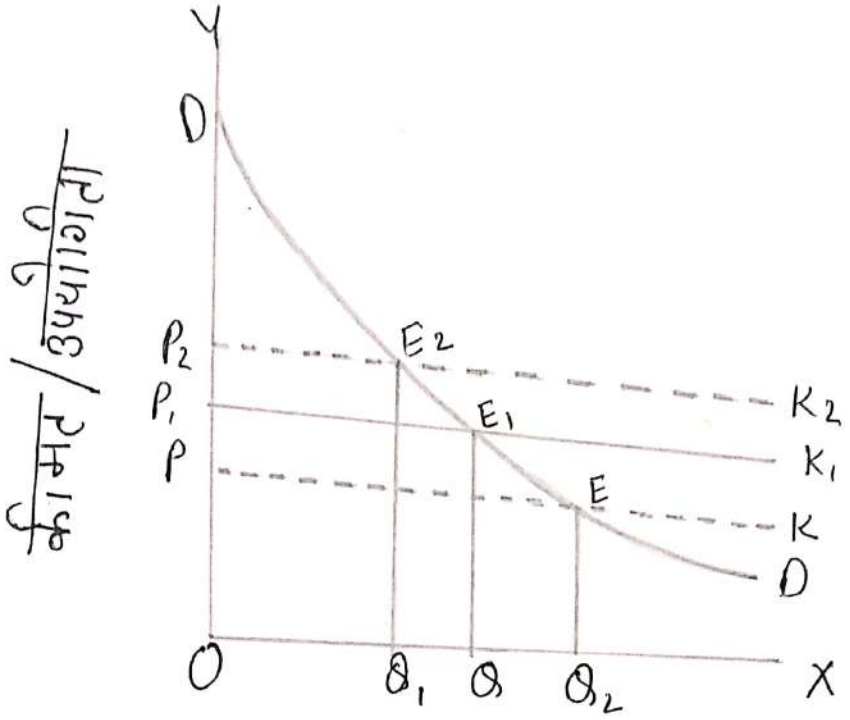

दिये गए चित्र में DD मांग रेखा यह बताती है कि एक उपभोक्ता किसी दी हुई कीमत पर नारंगियों की कितनी इकाइयां खरीदने की तत्परता रखता है। दूसरे शब्दों में चित्र मे एक नारंगी का मूल्य OP_1 और मूल्य रेखा P_1K_1 है। OP_1 मूल्य पर उपभोक्ता OQ मात्रा में नारंगियों को क्रय कर लेता है। ऐसी दशा में OQ नारंगियों से मिलने वाली कुल उपयोगिता को DD रेखा के नीचे के क्षेत्र OQE_1D से दिखाया गया है। एक नारंगी की कीमत OP_1 के बराबर है और उसके द्वारा OQ मात्रा में

नारंगियों क्रय की जाती है इस प्रकार नारंगियों पर किया जाने वाला कुल व्यय $OP_1 \times OQ = OP_1E_1Q$ के बराबर है अतः उपभोक्ता की बचत $OQE_1D - OP_1E_1Q = P_1E_1D$ है।

मूल्य के बढ़ने - घटने पर उपभोक्ता की बचत भी घटती बढ़ती है। जैसे माना नारंगी का मूल्य OP_1 से बढ़कर OP_2 होता है तब उपभोक्ता की बचत P_2E_2D पहले से कम है जबकि मूल्य के घटकर OP होने से बचत बढ़कर PED हो जाती है जो सर्वाधिक है।

आलोचना

उपयोगिता की माप करना सम्भव नही है:- प्रो०

मार्शल ने उपयोगिता को मुद्रा में मापा जाता है। परन्तु प्रो० हिक्स ने मार्शल की इस धारणा को अमान्य कर दिया था। हिक्स के अनुसार उपयोगिता एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है जिसे मुद्रा में नही मापा जाता है।

Scanned with OKEN Scanner

उपभोक्ता की आर्थिक स्तर में अन्तर ⇒

आर्थिक स्तर के अन्तर के कारण उपभोक्ता की बचत की सही माप नही की जा सकती है;

मुद्रा की सीमान्त उपयोगिता का स्थिर न होना ⇒

प्रो० मार्शल ने उपभोक्ता की बचत की व्याख्या मे मुद्रा की सीमांत उपयोगिता को स्थिर मान लिया है। प्रो० हिक्स ने इस मान्यता की कटु आलोचना की है। उनके अनुसार ज्यो-ज्यों उपभोक्ता मुद्रा की इकाइयों को व्यय करता जाता है त्यो त्यो शेष बची इकाइयों से मिलने वाली उपयोगिता बढ़ती है न कि सही रहती है यह मान्यता सही नही है;

Scanned with OKEN Scanner

राजस्व या लोकवित्त-1

Paper-2

Scanned with OKEN Scanner

लोकवित्त या राजस्व

लोकवित्त का अर्थ =>

लोकवित्त अथवा राजस्व अर्थशास्त्र की वह शाखा है जो सरकार के आय - व्यय का अध्ययन करती है। राजस्व को लोकवित्त के पर्यायवाची शब्द के रूप में किया जाता है। राजस्व संस्कृत भाषा का शब्द है जो दो अक्षरो से मिलकर बना है राजन + स्व जिसका अर्थ है राजा का धन।

इसे अंग्रेजी में भी व्यक्त किया गया दो अक्षरो से Public + Finance भी मिलकर बना है। Public Finance जिसका

Scanned with OKEN Scanner

और व्यय उनके पारस्परिक संबंध वित्तीय प्रशासन एवं नियंत्रण का अध्ययन किया जाता है।

प्रो० फिण्डले सिराज के अनुसार -

लोकवित्त के अन्तर्गत लोक सत्ताओं के कोशो में वृद्धि एक व्यय से संबंधित सिद्धांतो का अध्ययन किया जाता है।

आलोचना :-

i) इन अत्याधिक विस्तृत परिभाषाओं की आलोचना इस आधार पर की जाती है कि सार्वजनिक संस्थाओं मे से सार्वजनिक चिकित्सालय सार्वजनिक कम्पनियां शिक्षण संस्थायें आदि सम्मीलित होती जिनका राजस्व से कोई प्रत्यक्ष संबंध नही है राजस्व में तो हम राज्य की वित्तीयों क्रियाओं से ही ~~सम्मिलित~~ संबंधित रहते है फिर यदि इन सभी सार्वजनिक संस्थाओं के आय - व्यय का अध्ययन

राजस्व के अन्तर्गत करते हैं तो राजस्व का क्षेत्र भी अत्याधिक विस्तृत हो जाता है।

(ii) यदि सभी प्रकार के आय और व्यय को राजस्व के अध्ययन क्षेत्र मे सम्मिलित कर लिया जाये तो राजस्व एक अनिश्चित विज्ञान बन जायेगा राजस्व के अन्तर्गत केवल राज्य के मौद्रिक एवं सांख संबंधी साधनों को ही सम्मिलित करना चाहिए।

राजस्व के क्षेत्र

राजस्व अर्थशास्त्र और राजनीति शास्त्र की सीमा पर स्थिति है। इसका अभिप्राय है कि जहाँ एक ओर शासन व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए राजनीति शास्त्र के सिद्धांतो का अनुकरण करना पड़ता है वही आर्थिकतम सामाजिक कल्याण के लिए अर्थशास्त्र के सिद्धांतो का भी अनुसरण करना पड़ता है। क्योंकि राजस्व अर्थशास्त्र का ही एक क्षेत्र का आभास

मिलता है।

1. सार्वजानिक आय =>

सार्वजानिक आय मे सरकार आय प्राप्त करने की व्यवस्था करता है सरकार करारोपण के माध्यम से आय प्राप्त करती है

2. सार्वजानिक व्यय =>

सरकार लोगो के कल्याण के लिए योजनाएं बनाती है और उन योजनाओं पर खर्चा करेगी उसे सार्वजानिक व्यय कहते है।

3. सार्वजानिक ऋण =>

जब सार्वजानिक व्यय सार्वजानिक आय की तुलना मे ज्यादा होता है तो सरकार को घाटा होती है उस घाटे को पूरा करने के लिए ऋण लिया जाता है सरकार भिन्न-2 स्रोतो से ऋण लेती है और इसके भिन्न सिद्धांत कौन-2 से है।

Scanned with OKEN Scanner

4. वित्तीय प्रशासन =>

राजस्व

इस विभाग के अन्तर्गत राज्य के इस
भाग के वित्तीय कार्यों का संचालन
या प्रशासन संबन्धित क्रियाओं का अध्ययन
किया जाता है राजस्व के संबंध में जो
सरकीय व्यवस्था बनायी जाती है उनकी
स्तृत जाँच की जाती है।

राजकोषिय नीति =>

जिसका प्रयोग
करके सरकार अर्थव्यवस्था में आर्थिक
स्थिरता बनाये रखने के लिए काम करती
है मुद्रा स्फीति अस्फीती दोनो ही अर्थव्यव
था के लिए सही नही होती उनको
नियंत्रित करने के लिए आर्थिक स्थिरता
प्राप्त करने के लिए आर्थिक विकास को
राजकोषिय नीति का प्रयोग किया जाता है

राजस्व कला के रूप में :-

- किसी काम को करने का ढंग
- उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए नियमों का प्रयोग।
- राजकोषीय नीति का प्रयोग

राजस्व का महत्व :-

1. **आर्थिक विकास की तीव्र गति ⇒**

देश में प्रत्येक क्षेत्र चाहे समाजिक क्षेत्र हो कृषि क्षेत्र, हो व्यापार या उद्योग का क्षेत्र, हो अथवा कल्याणकारी क्षेत्र हो, मे तीव्र गति से विकास हो रहा है।

2. **पूँजी निर्माण दर में वृद्धि ⇒**

विगत कुछ वर्षों में पूँजी निर्माण की दर में वृद्धि हुई है इस वृद्धि के पीछे देश में

Scanned with OKEN Scanner

अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र - 1

Paper - 3

Scanned with OKEN Scanner

हेक्शचर ओहालिन का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धांत

हेक्शचर ओहालिन सिद्धांत प्रतिष्ठित अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धांत की बातों का अध्ययन करते है जिसका ध्यान प्रतिष्ठित सिन्द्धातो मे नही दिया गया है,

जैसे - 1. वस्तुओं के सापेक्षिक मूल्यो मे अन्तर
2. का कारण ।

अन्तर्राष्ट्रीय व अन्तर्क्षेत्रीय व्यापार मे श्रम द्वारा अर्जित आय मे पाये जाने वाले अन्तर का कारण ज्ञात करना

आधुनिक अर्थशास्त्रियो ने यह स्पष्ट किया कि दो देशो मे समान उत्पादन फलन के बावजूद भी साधन सम्पन्नता मे पाये जाने वाले अन्तर के कारण साधनो के मूल्यों मे अन्तर होना निश्चित है जिससे जिससे तुलनात्मक लाभ की स्थिति उत्पन्न होती है,

Scanned with OKEN Scanner

वस्तु का निर्यात करेंगा एवं श्रम गहन वस्तु का आयात करेंगा

मान्यताएं :-

- दो देश दो वस्तु दो उत्पादन के साधन
  2 X 2 X 2 Model
- वस्तु X श्रम प्रधान है जब कि वस्तु Y पूंजी प्रधान है $\left(\frac{K}{L}\right)_x < \left(\frac{K}{L}\right)_y$
- समता प्रतिफल के नियम के अन्तर्गत उत्पादन हो रहा है।
- दोनो देशो के बीच अपूर्ण विशेषीकरण की स्थितिया होगी।
- साधन बाजार एव वस्तु बाजार के बीच अपूर्ण प्रतियोगिता की स्थिति
- देश के अन्दर साधन पूर्ण गतिशील है जब कि दो देशो के बीच पूर्ण अगतिशील है।
- स्वतंत्र व्यापार की स्थिति है
- परिवहन लागतें शून्य है
- पूर्ण रोजगार की स्थिति है एवं भुगतान शेष संतुलन में है।

Scanned with OKEN Scanner

उपरोक्त मान्यताओं के आधार हेक्शचर ओहालिन सिद्धांत दो कसौटियों के आधार पर प्रमेय की व्याख्या करता है;

मूल्य कसौटी के आधार पर साधन सम्पन्नता

मूल्य कसौटी के आधार पर साधन सम्पन्नता कसौटी यह स्पष्ट करता है कि कोई भी देश मूल्य के आधार पर पूंजी संसाधन सम्पन्न तभी होगी जब कि वहाँ पर पूँजी सापेक्षिक रूप से सस्ती एवं सुलभ हो तथा श्रम काफी महंगा हो और श्रम की भौतिक मात्रा की उपलब्धता को ध्यान में न लाया जायें इसी प्रकार एक देश श्रम साधन सम्पन्न तब होगा जब उस देश में श्रम सापेक्षिक रूप से सस्ता हो एवं सुलभ हो जब कि इस बात पर ध्यान न दिया जाये

Scanned with OKEN Scanner

कि पूंजी की भौतिक मात्रा की क्या स्थिति है इस प्रकार तो देश A पूंजी प्रधान तथा देश B श्रम प्रधान देश होगा।

$$\left(\frac{P_K}{P_L}\right)_A < \left(\frac{P_K}{P_L}\right)$$

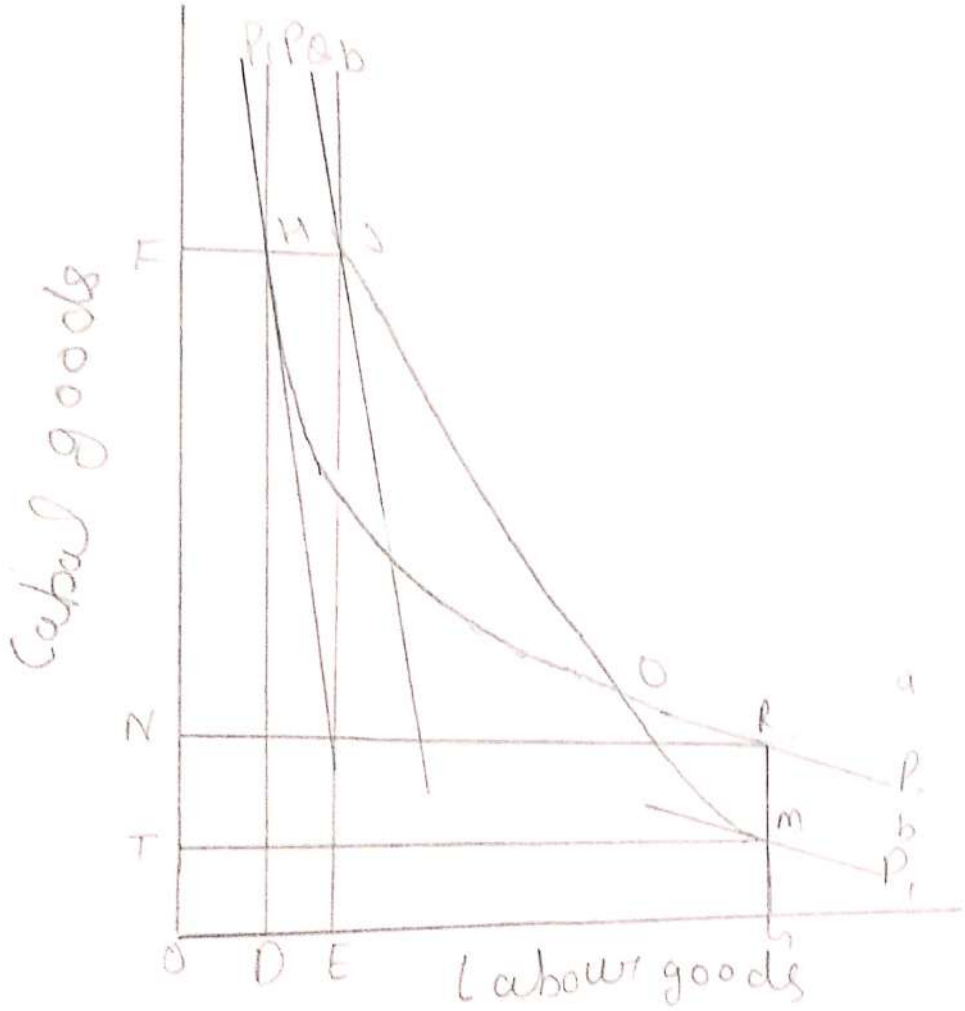

रेखाचित्र में bb IPC श्रम प्रधान वस्तु को तथा aa IPC पूंजी प्रधान वस्तु को प्रदर्शित करते हैं। रेखाचित्र में दो का लाभ आर्थिक

लाभ होगा जब कि $P_1 P_1$
मूल्य रेखा के ढाल से स्पष्ट है कि
राष्ट्र मे Labour goods सस्ता है
खाचित मे दो समोत्पाद वक्र क्रमशः
क दूसरे को Q बिन्दु पर कट रहे है
यह स्पष्ट करता है कि साधनों के
ीच किसी प्रकार की प्रतिलोमता नही है।

भौतिक कसौटी के आधार पर साधन सम्पन्नता ⇒

इस आधार पर एक देश
भी सम्पन्न देश कहलायेगा जब कि
दूसरे देश की अपेक्षा उस देश में पूँजी
श्रम अनुपात अधिक हो

अर्थात :- $\left(\frac{K}{L}\right)_A > \left(\frac{K}{L}\right)_B \longrightarrow$

इस स्थिति में A देश पूँजी प्रधान
देश जब कि B देश श्रम प्रधान
देश कहलायेगा।

Scanned with OKEN Scanner

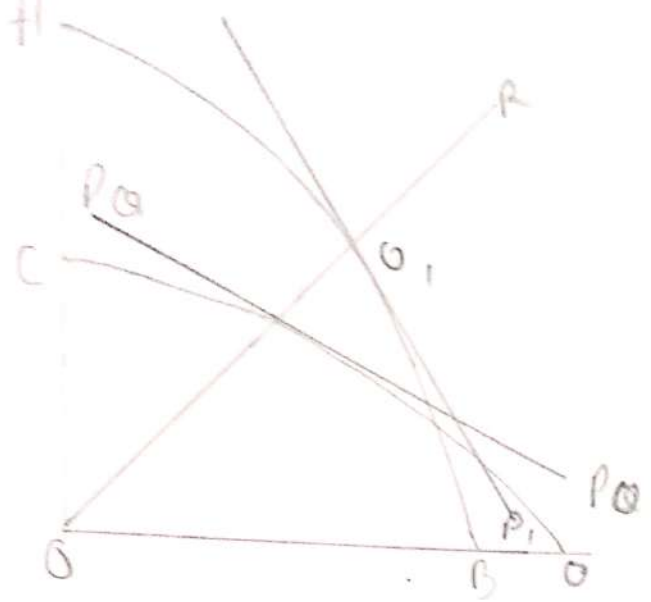

उत्पादन सम्भावना CD है। माना कि दोनो देश की समान अनुपात में उत्पादन की रेखा OR जिस पर A देश Q_1 पर तथा B देश Q_2 पर उत्पादन करते है जहां कि क्रमश: उत्पादन सम्भावना वक्र का ढाल मूल्य रेखाओं के ढाल के समान है अत: देश की उत्पादन सम्भावना वक्र Q_1 पर मूल्य रेखा का ढाल के यह स्पष्ट करता है कि A देश में Capital goods

सम्भावना वक्र के Q_2
पर मूल्य रेखा के ढाल के स्पष्ट है कि
B देश मे Labour goods सस्ता है. निश्चित
रूप से भौतिक कसौटी के आधार पर
हम यह कह सकते है कि A देश पूँजी
प्रधान वस्तु का उत्पादन तथा B देश श्रम
प्रधान वस्तु का उत्पादन करेगा। और पूंजी
प्रधान देश वस्तु का तथा श्रम प्रधान देश
प्रधान देश * वस्तु का निर्यात करेगा।

Scanned with OKEN Scanner

आर्थिक विचारों का इतिहास

Paper - 4

Scanned with OKEN Scanner

गीता या बाइबल कहा जाये तो अतिशयोक्ति नही होगी यह पुस्तक बाद द वेल्थ ऑफ नेशन्स के रूप मे प्रसिद्ध हुई खास बात यह है कि एडम स्मिथ ने अपने छात्र जीवन में कभी अर्थशास्त्र नही पढ़ी। वे दर्शनशास्त्र तथा तर्कशास्त्र के प्रोफेसर थे। लेकिन आगे चलकर उन्होंने यूरोप में प्रचलित तत्कालीन राजनीति और आर्थिक विचारो का गहन अध्ययन किया और उस अध्ययन के परिणामस्वरूप हमारे सामने यह नया विषय अर्थशास्त्र आया।

एडम स्मिथ से पहले वणिकवादियों का बोलबाला था जो मानते थे कि देश को समृद्ध करने के लिए ट्रेड सरप्लस होना चाहिए। यानि देश का निर्यात ज्यादा आयात कम होना चाहिए। इसके लिए जरूरत पड़े तो सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए लेकिन एडम स्मिथ के विचार उनसे भिन्न थे। हालांकि वणिकवादियों के विचारो मे एडम स्मिथ को एक आधार प्रदान किया

यही कारण है उन्हे अर्थशास्त्र का जनक माना जाता है।

एडम स्मिथ ने बड़ी चतुराई से और बुद्धिमत्ता से इस ढांचे का निर्माण किया था। उनके परिश्रम का परिणाम उनकी 1776 में प्रकाशित प्रसिद्ध पुस्तक 'वेल्थ ऑफ नेशन' के प्रकाशन के बाद अर्थशास्त्र को एक पुस्तक समाजिक विज्ञान के रूप में स्वीकार किया गया।

एडम स्मिथ के आर्थिक विचार

श्रम विभाजन का सिद्धांत =>

एडम स्मिथ के विचार में किसी राष्ट्र का श्रम उस राष्ट्र का प्रमुख धन होता है श्रम वस्तुतः के मूल्य का एक मात्र स्रोत तथा मापक होता है पुस्तक में उन्होंने एक शीर्षक

of the division of the Labour

श्रम विभाजन के लाभो का स्पष्ट वर्णन किया है। जिसके परिणाम स्वरूप राष्ट्र में इन उत्पादन में वृद्धि करना सम्भव हो जाता है। श्रम लाभ विभाजन के प्रमुख लाभ निम्न है।

- श्रमिक की अधिक दक्षता
- समय में बचत
- नये यन्त्रो के अविष्कार का सम्भावना

एडम स्मिथ ने स्पष्ट कहा है कि प्रत्येक व्यक्ति कार्यो में समान रूप से दक्ष नही हो सकते। बल्कि कोई व्यक्ति किसी कार्य के अधिक समय तक करने के कारण अन्य व्यक्तियो से अधिक कुशल हो जाते है। अन्य व्यक्ति उस कार्य में नही लगे है पीछे रह जाते है। इतना ही नही व्यक्ति समयावधि तक कार्य करने के कारण उस कार्य से बाधित छोटे - छोटे यंत्रो का भी अविष्कार कर लेता है। जिससे उत्पादन में तीव्र गति वृद्धि होती है।

सहजवाद (प्रकृतिवाद) तथा आशावाद

सहजवाद =>

एडम स्मिथ ने स्पष्ट रूप से कहा है कि आर्थिक संस्थाओं का जन्म स्वतः हुआ है और ये संस्थाएं लाभदायक हैं। उनका स्पष्ट विचार था कि मनुष्य द्वारा किसी प्रकार से लेकर किसी निर्णय पर पहुंचने के लिए किसी संगठन या सहकारी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है वे समझते थे कि जो आर्थिक स्थिति विद्यमान है वह असंख्य लोगों के अलग अलग आकस्मिक क्रियाओं का परिणाम है। वास्तव में यही स्थिति सहजवाद है। आर्थिक संस्थाओं के अर्थ को विश्लेषण करने के लिए स्मिथ ने कुछ उदाहरणों की सहायता लिया है

(i) श्रम - विभाजन =>

श्रम विभाजन को एक प्राकृतिक संस्था के स्वरूप मे स्वीकार किया गया है।

ध ने स्पष्ट लिखा है यह मानव स्वभाव
विनिमय प्रवृत्ति का आवश्यक तथा
मिक परिणाम है जो व्यक्तियों में पायी जाती

मुद्रा => मुद्रा जो वर्तमान आर्थिक विकास की आधार शिला है का
विष्कार मनुष्य द्वारा प्राचीन वस्तु विनिमय
णाली की कठिनाइयों से मुक्ति पाने की
यासो की खोज करने के कारण हुआ था

i) पूंजी => तीसरी महान आर्थिक संस्था
जी का आरम्भ भी स्वेच्छानुरूप हुआ।
जी की माला धन के संचय द्वारा निर्धारित
ती है जो स्वंय वचत की माला पर निर्भर
करती है।

2. आशावाद => आर्थिक संस्थाए स्वउत्पत्ति
के साथ - साथ आर्थिक सुविधाजनक सिद्ध हुई

संस्थाओं के अभाव में वर्तमान
र्थिक तथा समाजिक विकास की कल्पना
करना पूर्णत: अनौचित्यहीन था। श्रम
शासन के बिना श्रमिको की उत्पादकता
वृद्धि सम्भव नही हो सकता है।

मुद्रा =>

मुद्रा की उत्पत्ति वस्तु विनिमय
कठिनाई के परिणाम स्वरूप हुआ जिससे
का संचय, श्रम विभाजन एवं बैंको
जन्म सम्भव हो सका। एडम स्मिथ
णिकवादी मुद्रा से सहमत नही थे। उन्होने
हा की वास्तविक सम्पत्ति उस देश का
म भूमि भवन ..... इत्यादि होते है इस
प्रकार के वास्तविक सम्पत्ति से राष्ट्रीय आय
में वृद्धि में होती है। स्मिथ के अनुसार-
मुद्रा से अधिक व्यर्थ चीज नही होती
यद्यपि कि यह विनिमय का माध्यम
है। फिर भी अनुत्पादक है।

Scanned with OKEN Scanner

स्मिथ ने स्वर्ण तथा रजत मुद्रा की तुलना
सड़क से की है। जिस पर होकर देश
सारी घास तथा खाद्यान्न बाजार में आता
तथा देश के विभिन्न भागो में वितरित
होता है। परन्तु जिस पर खाद्यान्न का एक
तिनका भी नही उगता। अत: अधिक मुद्रा
प्राप्त करने से कोई राष्ट्र धनी नही बन
सकता है।

मूल्य निर्धारण का सिद्धांत ⇒

i) उपयोग मूल्य

ii) विनिमय मूल्य

- मूल्य प्राप्त होने के लिए किसी वस्तु में उपयोगिता के गुण के अतिरिक्त दुर्लभता की विशेषता होनी चाहिए। वस्तु की दुर्लभता उसके विनिमय मूल्य के कारण होती होती है। स्मिथ के अनुसार समाज में यह पाया गया है कि जिस वस्तु का विनिमय मूल्य अधिक पाया जाता है।

किसी वस्तु का बाजार मूल्य उसका वह मूल्य होता है जिस पर वह किसी समय विशेष पर बाजार में बेची जाती है परन्तु वस्तु के बाजार मूल्य के समीप वस्तु के बाजार मूल्य के पहुचनें की प्रवृत्ति होती है उसे वस्तु का प्राकृतिक या सामान्य मूल्य कहते हैं।

मूल्य का श्रम लागत सिद्धांत ⇒

मूल्यनिर्धारण के श्रम लागत सिद्धांत की व्याख्या करते हुए एडम स्मिथ ने कहा कि श्रम सभी वस्तुओं के विनिमय मूल्यों का मापक है प्रत्येक वस्तु का वास्तविक मूल्य उस वस्तु का निर्माण करनें में हुए कष्ट तथा परिश्रम की मात्रा होती है।

संक्षेप मे श्रम वस्तु के विनिमय मूल्य का माप एवं स्रोत है जिसकी सहायता से स्मिथ ने मूल्य निर्धारण के श्रम लागत सिद्धांत

विश्लेषण किया। एडम स्मिथ सत्य से परिचित थे कि यद्यपि श्रम वस्तुओं के विनिमय मूल्य का मापक परन्तु वस्तुओं के सापेक्ष मूल्य इस निर्धारित करने में यह समस्या भी इस आधार पर श्रम मे गुणात्मक अन्तर माप करना असम्भव है;

Scanned with OKEN Scanner

संख्याओं के सिद्धांत

अंको के समूह को संख्या कहते हैं या दो या दो से अधिक अंको के समूह को संख्या कहते हैं। समान्यत: कहा जाता है कि विज्ञान की जननी गणित है और गणित की जननी अंको का गणित। अंकगणित बीजगणित तथा गणित की अन्य शाखाएं सभी संख्या या संख्या के गुणो पर आधारित हैं गणित में अनेक संख्याओं का प्रयोग होता है।

संख्या के प्रकार

प्राकृतिक संख्या =>

प्राकृतिक संख्या को N से निरूपित किया जाता है ऐसी संख्या 1 से शुरू होती है धनात्मक (+) तक चलती है प्राकृतिक संख्या कहलाती है;

Scanned with OKEN Scanner

उदा० = 1, 2, 3, 4, 5, 6, ... ∞

पूर्ण संख्या =>

इसे W से निरूपित किया जाता है वह संख्या जो शून्य (0) से शुरू होकर अनन्त तक चलती है उसे हम पूर्ण संख्या कहते हैं

उदा० = 0, 1, 2, 3, 4, 5, ... ∞

पूर्णांक संख्या =>

वे संख्या जो धनात्मक व ऋणात्मक पूर्ण संख्या हो पूर्णांक संख्या कहलाती है इसे Z से निरूपित किया जाता है

उदा० = −4, −3, −2, −1, 0, +1, +2

परिमेय संख्या =>

वह संख्या जिसको $\frac{p}{q}$ के रूप में लिखा जा सकता है

जहाँ p का पूर्णांक संख्या व $q \neq 0$ हो परिमेय संख्या कहलाती है।

NOTE :- p = पूर्णांक संख्या
q = 0 को छोड़कर शेष

उदा० → $\frac{3}{7}$, $\frac{-3}{7}$, $\frac{4}{1}$, $\frac{1}{2}$

- अपरिमेय संख्या ⇒

वे संख्या जिसको $\frac{p}{q}$ के बारे मे नही लिखा जा सकता है अपरिमेय संख्या कहलाती है।

उदा० ⇒ $\sqrt{2}$ $\sqrt{3}$ $\sqrt{7}$, ... 1.010012

- सम संख्या ⇒

वे संख्या जो 2 से पूरी - पूरी विभाजित हो जाती है सम संख्या कहलाती है ~~सम संख्या कहलाती~~

उदा० ⇒ 2, 4, 6, 8, 10, 12

Scanned with OKEN Scanner

NOTE => 0 ना ही सम संख्या है और न ही विषय संख्या है।

- **विषम संख्या =>**

वे संख्याएं जिसमें 2 का पूरा भाग नहीं जाता है विषम संख्याएं कहलाती है।

उदा० => 1, 3, 5, 7, 9, 11 आदि

- **भाज्य संख्याएं =>**

ऐसी प्राकृतिक संख्या जो 1 तथा अपने को छोड़कर किसी अन्य संख्या से भी पूरी पूरी विभाजित हो जाये भाज्य संख्या कहलाती है।

उदा० =
4 → 1, 2, 4
6 → 1, 2, 3, 6
8 → 1, 2, 4, 8
9 → 1, 3, 9
10 → 1, 2, 5, 10

NOTE (i) 4 सबसे छोटी संख्या भाज्य संख्या है।

Scanned with OKEN Scanner

अभाज्य संख्या ⇒

वे प्राकृतिक संख्या जो केवल 1 या स्वयं से विभाजित हो अभाज्य संख्या कहलाती है।

उदा० =

2 → 1, 2
3 → 1, 3
5 → 1, 5
7 → 1, 7

NOTE (i) 1 न ही भाज्य संख्या है न ही अभाज्य।

(ii) 2 सबसे छोटी अभाज्य संख्या है।

(iii) 2 एक मात्र ऐसी संख्या है जो जो अभाज्य है

(iv) 3 सबसे छोटी विषम अभाज्य सं० है

(v) सभी विषम विषम संख्या अभाज्य संख्या नही है, जैसे - 9, 15, 21

(vi) 2 को छोड़कर सभी अभाज्य विषम संख्या है।

Scanned with OKEN Scanner

दो प्राकृतिक संख्याओं को सह उभाज्य कहा जाता है। उनका H.C.F = 1 है। सहउभाज्य वे होते हैं यदि उनके उभयनिष्ठ खण्ड के रूप में केवल 1 होते हैं;

i) 4, 15

4 → (1), 2, 4

15 → (1), 3, 5, 15

8, 25

8 → (1), 2, 4, 8

5 → (1), 5, 25

2, 5, 11

→ (1), 2

→ (1), 5

→ (1), 11

Scanned with OKEN Scanner

Assignment ..... Page No. ..... Date .....

H.N.B.P.G College →

NAME – Tulsi pandey
CLASS – Msc Ist sem
Roll-no –
Subject – Fluid mechanics (Maths)
Enrollment number – KU19131843

Submitted By
Tulsi pandey

Submitted To
Dr. Khilap singh

ARVIND Designer Sheet

Scanned by CamScanner

FLUID MECHANICS

(Assignment)

2022-23

Name - Shubham Joshi

Class - M.Sc. I Sem

Roll no. - 220310270018

Subject - Mathematics

Scanned by CamScanner

Topic ..... Date : .....

Assignment

H.N.B. GOVT. P.G. COLLEGE KHATIMA

Submitted By:

Name : Ansuya Manola
Roll no. : 22031070002 6
Subject : Numerical Analysis
Semester : Ist
Class : M.Sc.

D102

Scanned by CamScanner

HNB GOVT PG COLLEGE

KHATIMA (U.S.NAGAR)

ASSIGNMENT WORK

Submitted By :- VIKAS KATIYAR

Class :- M.Sc. (Maths) Ist Sem.

Roll No :- 220310700023

Subject :- FLUID MECHANICS

Enrollment No :- KU-19125163

Submitted To :-

DR. KHILAP SINGH

Scanned by CamScanner

मौलिक -अधिकार

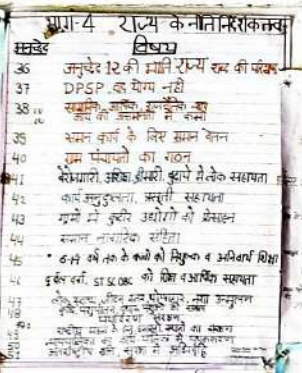
भाग-4 राज्य के नीति-निदेशक तत्व
विषय
36 अनुच्छेद 12 की भाँति राज्य
37 DPSP
38
39 समान कार्य के लिए समान वेतन
40 ग्राम पंचायतों का गठन
41 बेरोजगारी, अपंगता, बीमारी, बुढ़ापे में लोक सहायता
42 कार्य न्यायोचित, प्रसूति सहायता
43 ग्रामों में कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन
44 समान नागरिक संहिता
45 6-14 वर्ष तक के बच्चों को निशुल्क व अनिवार्य शिक्षा
46 दुर्बल वर्ग, ST SC OBC को शिक्षा व आर्थिक सहायता

1857 की क्रांति के नायक मंगल पांडे
MANGAL
PANDE

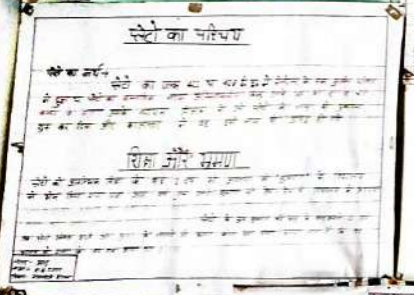
पेंटो का परिचय
शिक्षा और समाज

राजनीति विज्ञान-वीथिका
(POLITICAL SCIENCE GALLERY)

भारत

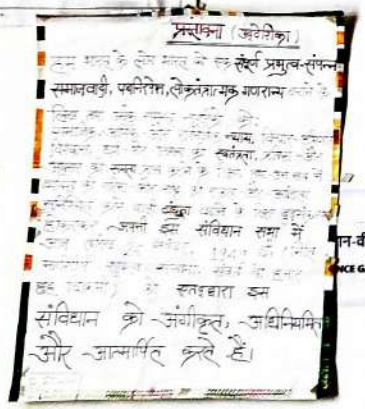
प्रस्तावना (अवलोकन)
समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य
स्वतंत्रता
स्वतंत्रता
स्वयं इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

राजनीति विज्ञान-वीथिका

(POLITICAL SCIENCE GALLERY)

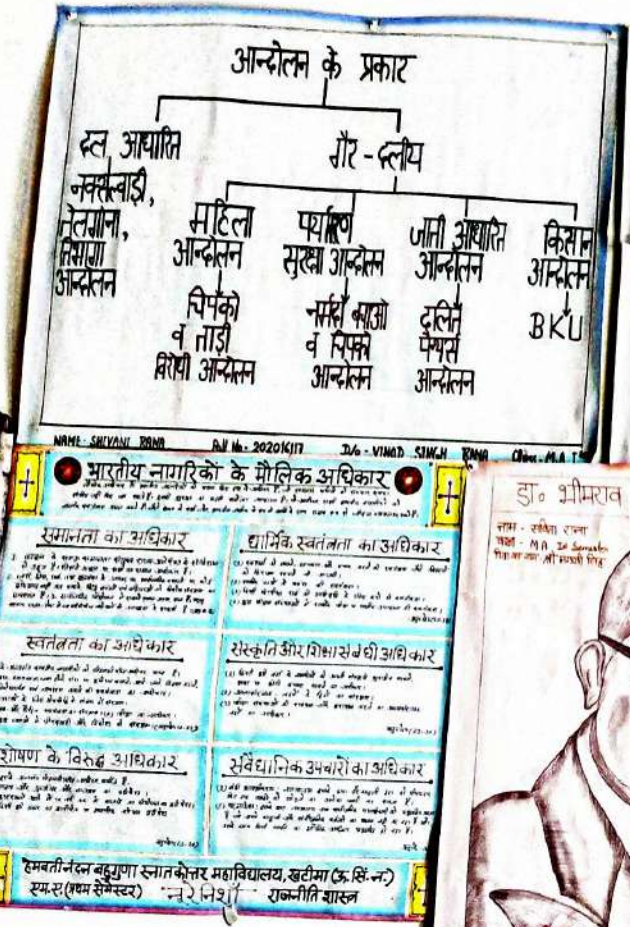

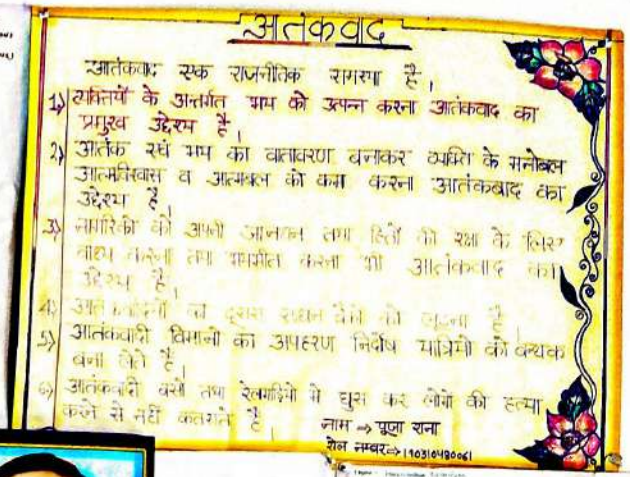

M.A. Semester II
(All papers are compulsory)
Paper I: Western Political Thought (From Hobbes to Marx)

- Hobbes
- Locke
- Rousseau
- Montesquieu
- Burkhan
- J.S. Mill
- T.H. Green
- Hegel
- Marx

Paper II: Indian Political Dynamics

- Caste in Indian Politics
- Communalism and Problems of Secularisation
- Regionalism and Issues in National Integration
- Gender in Indian Politics
- Insurgency and Terrorism
- Political Parties, Party System, Pressure Groups
- Coalition governances and problems of governance
- Corruption in India and the Lok Pal

Paper III: Public Administration

- Meaning, Nature, Scope and Significance of Public Administration
- New Public Administration
- New Public Management and Good Governance
- Theories of Organization: Scientific Management, The Bureaucratic Theory of Organization, Classical Theories of Organizations, The Human Relations Theory of Organization
- Principles of Organization
- Structures of Org. structure: Chief Executive, Types of Chief Executive and their functions, Line, Staff and Auxiliary agencies, Departments, Corporations, Companies, Boards and Commissions
- Personnel Administration: Position Classification, Recruitment, Training, Career Development, Performance Appraisal, Promotion, Employee Employee Relations, Motivation
- Generalists and Specialists
- Ethical Concerns in Public Administration, Integrity in Administration, Neutrality and Anonymity
- Financial Administration: Budget, Budgetary Process

Paper III: International Politics

- Basic Concepts of International Politics: Power, National Interest, Balance of Power, Power Politics
- Different Theories and Approaches to the Study of International Politics
- Determination of Foreign Policy: National Interest, Ideology, Elements of National Power (including nature of domestic socio-political institutions)
- The Cold War: Rise and decline
- Non-Aligned Movement: Origin and Nature, relevance in present context
- Arms Race, Disarmament and Arms Control
- Diplomacy: Theory and Practice
- Problems of the Third World in International Politics

Paper II: Comparative Politics

- Comparative Politics: Meaning, Nature, Scope, Traditional and Modern Approach
- Political System: Meaning and Definition
- Approaches to the study of Political System: Systems Approach, Structural Functional Approach, Karl Deutsch's Model of Political Communication
- Political Culture and Political Socialization
- Political Development and Political Modernization
- Political Elite
- Political Parties and Pressure Groups
- Electoral Systems

B.A. Political Science Semester Five
Paper- One
Major Theories of International Politics
अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के प्रमुख सिद्धान्त
MM: 85

1. International Politics: Definition, Scope and Relevance
2. Ideology, Power and Interest
3. Power and International Politics, Elements of Power
4. Political System Theory and Balance of Power
5. Theories of International Politics: Realism and non-Realism, Idealism,

B.A. Political Science Semester Five
Paper- Two
Theories of Public Administration
लोक प्रशासन के सिद्धान्त
MM: 85

1. Meaning, Nature and Scope of Public Administration
2. Comparative Public Administration and Development Administration, New Public Administration, New Public Management.
3. Principle of Organization: Hierarchy, Span of Control, Line & Staff, Delegation, Supervision and Coordination.
4. Structure of Organization: Staff, Line and Auxiliary Agencies, Departments, Corporations
5. Planning (With special reference to planning in India)

प्रवेश डीयर CUT OF PERSENTEGE
निम्नवत है।

1:- GEN - 56.63%
2:- SC - 54.13%
3:- OBC - 56.60% FILLED
4:- S.T - FILLED

उक्त प्रवेशार्थी दिनांक 08/02/2021 दिन सोमवार को एम्पस्ट कट ऑफ लिस्ट के अनुरूप अपना प्रवेश करवा सुनिश्चित करें।

12/02/21

06/02/2021
प्रभारी
राजनीति विज्ञान विभाग
डी०एस०बी० स्नात० महा०
नैनीताल (उत्तराखण्ड)

12/02/21

12/02/21

स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा, ऊधम सिंह नगर
प्रवेश संबंधी आवश्यक सूचना
दिनांक 05-01-2022

सत्र 2021–22 में स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर कला संकाय के प्रवेशार्थियों को सूचित किया जाता है कि जिन प्रवेशार्थियों ने आनलाइन रजिस्ट्रेशन फार्म में अपने अन्तिम कक्षा के अंक अभी तक अपडेट नहीं किये है वे संबंधित विभाग प्रभारी/विभाग से सम्पर्क स्थापित कर कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल की आनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रपत्र के साथ अपना अन्तिम कक्षा की अंकपत्र की छायाप्रति दिनांक 08–01–2022 तक अनिवार्य रूप से जमा कर दें। पूर्व निर्गत मेरिट सूची में स्थान रिक्त होने की दशा में मेरिट के आधार पर विचार किया जा सकता है। उक्त तिथि के बाद अंक अपडेट न होने की दशा में प्रवेशार्थी के प्रवेश पर विचार नहीं किया जायेगा।

12/02/2021
प्रभारी
स्नातकोत्तर महाविद्यालय
खटीमा (ऊधम सिंह नगर)

के सूचना
स्नातकोत्तर
खटीमा के राजनीति विज्ञान
प्रथम सेमेस्टर (III Sem)
छात्रों को सूचित किया
दिनांक 16/02/21 (मंगलवार)
विभाग में अनिवार्य
उपस्थित करें।

12/02/2021
प्रभारी

प्रथम सेमेस्टर (सोमवार) में 11 बजे
सुनिश्चित

12/02/21

प्रभारी

प्रिय के प्रवेशार्थियों को सूचना
प्रवेशार्थियों ने आनलाइन रजिस्ट्रेशन फार्म में अपने अन्तिम कक्षा के अंक अभी तक अपडेट नहीं किये है वे संबंधित विभाग प्रभारी/विभाग से सम्पर्क स्थापित कर कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल की आनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रपत्र के साथ अपना अन्तिम कक्षा की अंकपत्र की छायाप्रति दिनांक 08–01–2022 तक अनिवार्य रूप से जमा कर दें। पूर्व निर्गत मेरिट सूची में स्थान रिक्त होने की दशा में मेरिट के आधार पर विचार किया जा सकता है। उक्त तिथि के बाद अंक अपडेट न होने की दशा में प्रवेशार्थी के प्रवेश पर विचार नहीं किया जायेगा।

प्रभारी

IV Sem

Semester	Core Course 4 Credit Each	Elective Course	Open Elective	Total
Fourth Semester	Paper-I Contemporary Political Philosophy Paper-II Viva-Voce	Three Papers to be opted out of Four 3 credit each 3x3= 9 credits Paper-I Environmentalism Paper-II Post-Cold War International Relations Paper-III International Organisation Paper- IV Research Methodology	One Paper of 3 Credits Paper-I Ethics and Politics	

4 Credits= 80 Marks

External 70% Internal 30%

Total Credits=80

This Course Structure is subject to the approval of The Board of Studies

Convener Political Science

Semester	Core Course 4 Credit Each	Elective Course	Open Elective	Total Credits
Second Semester	Paper-I Political Thought (From Plato to Marx) Paper-II Indian Administration Paper-III State Politics in India with special reference to Uttarakhand Paper-IV Indian Political Dynamics Paper-V Dissertation	----------	----------	5x4=20

I st Sem

PAPER: INTERNATIONAL POLITICS
(CORE COURSE) 4 CREDIT EACH

- Basic Concepts of International Politics: Power, National Interest, Balance of power, Power Politics
- Different Theories and Approaches to the study of International Politics
- Determination of Foreign Policy: National Interest, Ideology, Elements Of National Power (including nature of domestic socio-political institutions)
- The Cold War: Rise and Decline
- Arms Race, Disarmament and Arms Control
- Diplomacy: Theory and Practice
- Problems of the Third World in International Politics

References

1. Theodore A Columbus and James H Wolfe: Introduction To International Relations: Power and Justice
2. David S Mcellan, William C. Olson, Fred. and Sondermann: the Theory and Practice of International Relations
3. Steve Smith, Globalization of World Politics: Introduction to International Relations, Oxford University Press
4. Forest L Grieves: Conflicts and Order: Introduction to International Relations Houghton Mifflin company
5. Martin Griffiths and Terry o Callaghan: International Relations: The Key Concepts, Routledge
6. William R Thompson: Great Power Rivalries, Colombia University Press

H.N.B. Govt. P.G. COLLEGE

Topic - Humanism and existentialism

Name - Sonali Digari

B.ed 1st Semester

Roll. no - 46

Submitted To: Dr. Geeta

Humanism

Meaning of Humanism

It means by a specific philosophical thought of modern time, which considers the whole as one family and is inclined towards the discovery of the path of happiness and peace for the whole human community.

Some of the thinkers of modern age opposed religion and science, but accepted the significance of culture and choose the path of peace instead of struggle and revolution for its propagation. This thought is called Classical Humanism.

Some philosophers accepted the significance of science, but along side laid emphasis on two things — man should not be a slave of machinery and science should be used for constructive tasks. Due to their emphasis of science for the benefit of mankind, their thought is called Scientific humanism.

Definition of Humanism

Maslow - Humanism is a word which is used by writers in many different senses. One of these implies that man up the entire framework of human thought, that there is no God, no super human reality to which he can be related or can relate himself.

General definition - Humanism is that school of western philosophy which considers this world as made of matter and accepts the material world as the only real work. It does not consider the concept of God and soul and propounds that the ultimate aim of human life is to live happily and peacefully, which can be achieved by thinking and doing good of all.

undamental Principles of Humanism

There is no Regulating Entity of the world

n the viewpoint of humanists, the world has its own reative powers, it is made from those powers, and ere is no other creator of it.

This Material is True, Beside it there is no other Spiritual world

umanists consider this material world as true and consider l its objects and activities as true. They argue that man as to live in this material world, so it is the only truth or him. They consider the world as changeable and progressive

There is no Existence of God

umanistic thinker have thought only about physical comfort o man. In their viewpoint, God doesnot help man in task. ere is nothing like God in the world, he has no existence

Human development depends on Himself

umanists do not believe in God and fortune, they believe n action. In their view, whatever physical and intellectual apabilities that man has got from the world, are the undamental bases of his development.

Fulfilment of Physical needs is necessary for happy living

umanists donot hold uniform views regarding physical needs f man, some of them day emphasis on the fulfilment of only naterial needs, and some also emphasize on fulfilment of motional needs besides material needs.

Abidance by Human Values is necessary for the fulfilment of all types of Needs

Humanist clearly opine that the material and emotional needs can be fulfilled only when all men follow the humanistic values. In their view, "good for all" is the greatest human value.

Humanism and Education

n the viewpoint of humanist, it can be possible only when ery man lives for others. classical humanist lay more phasis on the fulfilment of emotional (social and cultural) eds of man and scientific humanists lay emphasis on the lfilment of material needs.

ncept of Education

umanist do not consider only school education as education; rather l the experiences that the children get in the company of family ciety and school or at any other place are included in education their view, education is a constructive process which makes e present and future of human being beautiful and progressive.

im of Education

cc. to humanist the main aim of education should be to make man a good man & him creative and progressive man and it can e possible only when he is physically healthy and intellectually levoted and human values are developed in him.

) Physical and Intellectual Development

By physical development means the development of health of man and by intellectual development they mean the development of logic in man. They want to use education in making man experience his intellectual greatness.

2) Social and Cultural Development

lassical humanist believe in the continuous development of man and society, they favour the renaissance of human culture, they consider the whole of mankind as one, they lay emphasis on extensive social & cultural spirit.

3) Development of Higher Human Values

Acc. to humanist, the greatest human values is the good of all, it includes all the qualities of love, service and cooperation etc. In order to make the whole human community happy it is essential to development human values in all persons and this task should be performed by education.

GENDER SCHOOL AND SOCIETY

SUBMITTED BY:-

DIKSHA JOSHI

SUBMITTED TO:-

DR. GEETA RAJ MA'AM

ROLL No. : 19

Date _____
Page _____

लिंग, विद्यालय तथा समाज

प्र०। विद्यालय से आप क्या समझते हैं? समाज के लिए विद्यालय की आवश्यकता का वर्णन करें, साथ ही कोठारी शिक्षा आयोग के बारे में तथा स्त्री शिक्षा के संबंध में इस आयोग ने क्या संस्तुति प्रस्तुत की? स्पष्ट करें?

उ०। विद्यालय का अर्थ

- विद्यालय वह स्थान है जहाँ शिक्षा प्रदान की जाती है, विद्यालय एक ऐसी संस्था है जहाँ बच्चों के शारीरिक, मानसिक ~~बोध~~ बौद्धिक एवं नैतिक गुणों का विकास होता है।
- विद्यालय को आंग्ल भाषा में 'स्कूल' कहा जाता है, जिसकी उत्पत्ति ग्रीक शब्द Schola या Skhole से हुई है जिसका अर्थ होता है - "अवकाश", यह अर्थ कुछ विचित्र है परन्तु प्राचीन काल में 'अवकाश के स्थलों' को ही 'विद्यालय' के नाम से जाना जाता था। अवकाश काल को ही आत्मविकास समझा जाता था।

- जबकि विद्यालय 2 शब्दों से मिलकर बना है, 'विद्या' तथा 'आलय' से बना है, जिसका अर्थ है, 'विद्या का स्थान', अर्थात् जहाँ विद्या ग्रहण की जाय।

विद्यालय की परिभाषा विभिन्न शिक्षाशास्त्रियों ने अपने हिसाब से दी है—

Date _____
Page _____

• रॉस के अनुसार, " विद्यालय वे संस्थाएँ हैं जिसको सभ्य मनुष्य द्वारा इस उद्देश्य से स्थापित किया जाता है कि समाज में सुव्यवस्थित और योग्य सदस्यता के लिए बालकों को तैयारी में सहायता मिले।

• समाज में विद्यालय की आवश्यकता एवं महत्व →

समाज में विद्यालय का महत्वपूर्ण स्थान है। इसको ~~इस~~ निम्नलिखित बिन्दु से समझा जा सकता है –

1). विशाल सांस्कृतिक ~~विरासत~~ विरासत को पीढ़ी दर पीढ़ी स्थानान्तरित करने के लिए।

2). जीवन की जटिलता को कम करने के लिए।

3). व्यक्तित्व का सामंजस्यपूर्ण विकास करने के लिए विद्यालय आवश्यक है।

4). समाज की निरंतरता एवं विकास के लिए।

5). शिक्षित नागरिकों का निर्माण करने के लिए।

विद्यालयों में पढ़ाने के तरीके को लेकर बाद में कई प्रकार की शिक्षा नीतियाँ आने लगी जिसमें से ~~एक~~ एक ~~कोठारी~~ कोठारी आयोग है भी, जो निम्नलिखित है –

TEACHER AND ENVIRONMENTAL EDUCATION

SUBMITTED BY:

DIKSHA JOSHI

SUBMITTED TO:

DR. REKHA DEO MA'AM

ROLL NO.: 19

Date
Page

पर्यावरण शिक्षा

पर्यावरण शिक्षा से अभिप्राय :-

पर्यावरण शिक्षा से अभिप्राय है कि पर्यावरण शिक्षा वह शिक्षा है जो हमें अपने पर्यावरण के संरक्षण, गुणवत्ता, संवर्धन और सुधार का ज्ञान व समझ प्रदान करती है।

मनुष्य प्रकृति से सीखे, प्रकृति के अनुसार अपने आपको ढाले & प्रकृति को प्रदूषित करने से बाज आए, यही संचेतना हमें पर्यावरण शिक्षा से मिलती है।

पर्यावरणीय शिक्षा वास्तव में मानव द्वारा प्रकृति के प्रति अत्याचारों की गलतियों का बोध कराती है & भविष्य में सावधान रहने के लिए मानव को तैयार करती है।

पर्यावरण शिक्षा के अन्तर्गत सामाजिक, सांस्कृतिक, भौतिक, प्राकृतिक आदि सभी प्रकार के पर्यावरण आते हैं।

परिभाषाएँ :-

Date _____
Page _____

→ पर्यावरण या शिक्षा को एक निश्चित दायरे में परिभाषित करना कठिन है, फिर भी विद्वानों ने अपने-अपने ढंग से इसे परिभाषित किया है जो इस प्रकार है →

→) "पर्यावरण शिक्षा, पर्यावरण की गुणवत्ता से संबंधित तकनीकों हेतु व्यवहारिक संहिता निर्माण करने एवं निर्णय लेने की आदत को व्यवस्थित करती है।

→) "पर्यावरण शिक्षा अर्थात् अधिगम की वह प्रक्रिया जो पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों से जुड़ी जानकारी एवं जागरूकता को बढ़ावा दे सके & साथ ही उसका सम्मान करने के लिए आवश्यक कुशलताओं को विकसित करने में सहायक हो।"

→) "पर्यावरण शिक्षा" पर्यावरण सुरक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त करने का साधन है, पर्यावरण शिक्षा किसी विज्ञान या विषय के अध्ययन की अलग शाखा नहीं है। इसे जीवन पर्यन्त सम्पूर्ण शिक्षा के अंतर्गत चलाया जाना चाहिए।

→) "पर्यावरण शिक्षा" का प्रमुख प्रयोजन नागरिकों के अपने उत्तरदायित्वों में पर्यावरण की सुरक्षा एवं

COMMUNITY

WORK

REPORT

B.Ed.- 3rd SEM

COMMUNITY WORK FILE

Submitted to : Mrs. Rekha Deo

Submitted by :

Himani Chand
B.Ed 3rd Sem
21

COMMUNITY WORK

Definition

An social work intervention method using community as target.

Through organizing people to participate in collective action to identify needs of community and to solve community problem collectively.

Improve living environment and quality of life.

Increase people's participation in issues of the community and their ability and consciousness in influencing social policy.

To bring a more equal, justice, democratic and harmonious society.

MORNING ASSEMBLY

Every Morning is a New Opportunity To Do Things You Missed Yesterday.

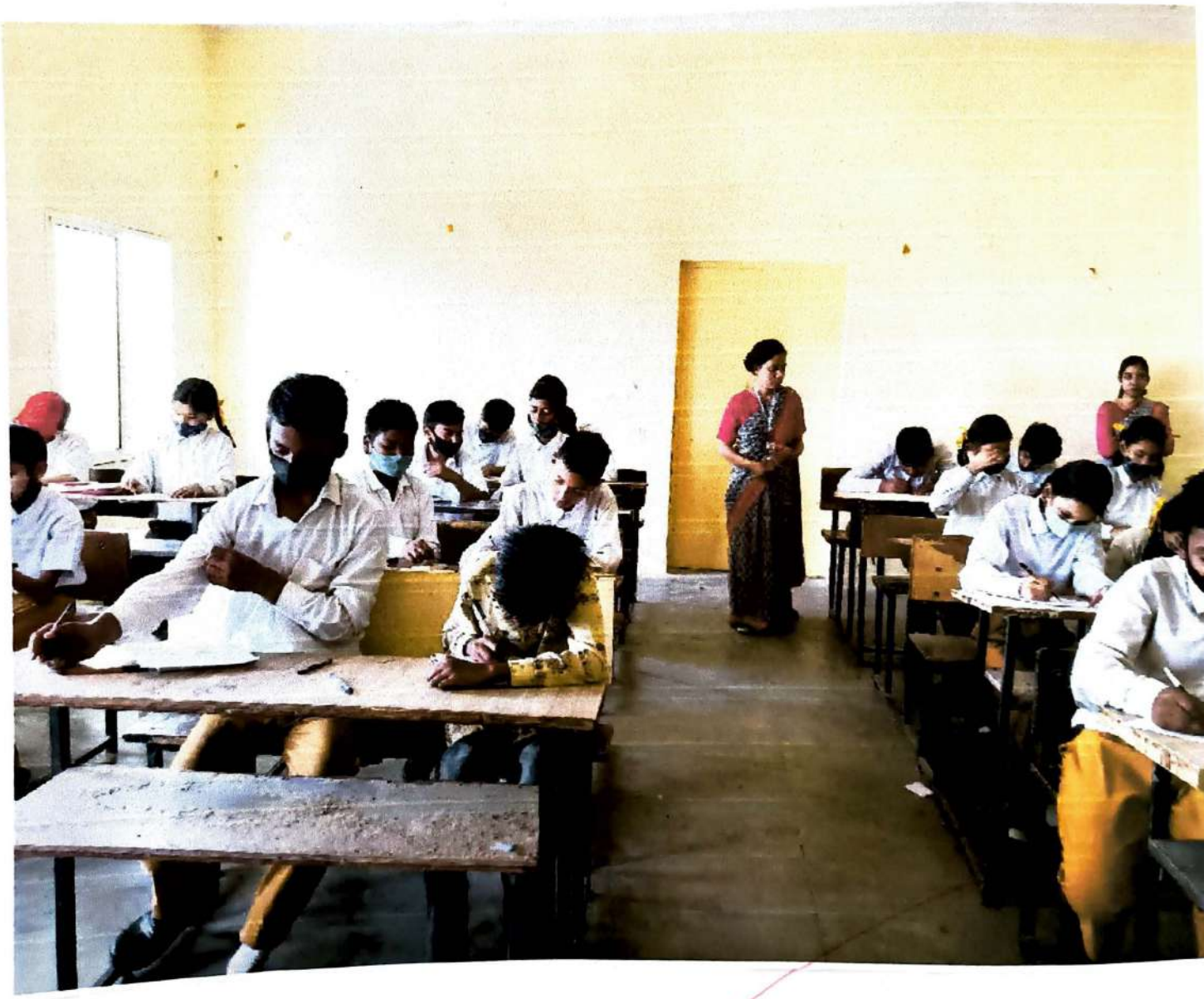

SPORTS ACTIVITY

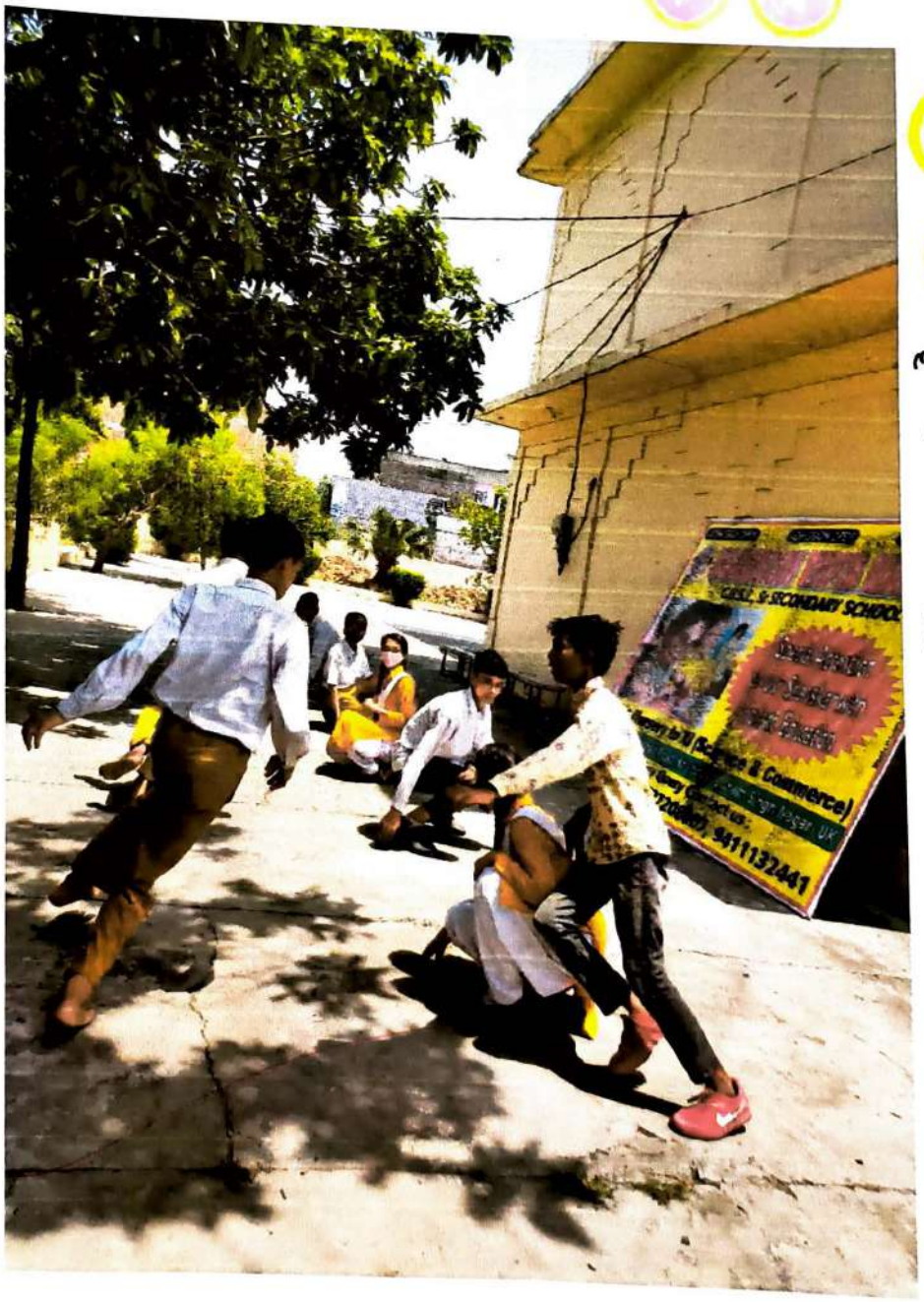

"Just Play. Have fun. Enjoy the Game."

-Michael Jordan.

हेमवती नन्दन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

B.Ed.

Session-2021.....-2023.....

MICRO TEACHING

Name of Pupil Teacher.....Hema Bhatt.....

Roll No.-.....27.....Class-....B.Ed. IIsemSection.....

Subject-.....English.....

Components of Intraductary Skill

(1) Questions must be previous knowledge based.

(2) Questions must form a sequence.

(3) In line with the question objectives of the preamble.

(4) Introductory questions clear and related to the subject matter.

(5) Proper use of teaching aids.

(6) Time bound introduction.

Lesson Plan - (1)

Date - 23/08/22 Subject - English Period - Ist

class - 7th Sub-Subject - Poetry Time - 6 min.

Topic - 'The Night Sky'

Previous knowledge - Students have general knowledge about 'The Night Sky'.

S. No.	class teacher's activity	Student's activity	Components
(1)	Who is at the centre in the solar System?	Ans① Sun	1
(2)	Where we see the sun?	Ans② Sky	2
(3)	What are the other things we see in the sky?	Ans③ clouds, Birds, Stars, Moon	2
(4)	At which time we see stars and moon in the sky?	Ans④ At Night	2,4
(5)	What do you know about the poem The 'Night sky'?	Ans⑤ Problematic	

Statement of Aim :- Students, today we will study in detail about 'The Night sky' poem.

Lesson Plan - (2)

Date - 23-08-22 Subject - English Period - Ist

Class - 8th Sub-Subject - Poetry Time - 6min

Topic - 'Play Things'

Previous Knowledge - Students have general knowledge about 'Play things'.

S.No.	class teacher's activity	Student's activity	components
(1)	Q1. What happens when we study continuously?	A① We get tired or bored.	1
(2)	Q2. What we do when we get bored or tired?	A② We listen music, play games.	2
(3)	Q3. Tell me the name of some games?	A③ Cricket, Badminton etc	2
(4)	Q4. What are the things required to play cricket?	A④ Bat, Ball, Stumps n many things.	2, 4
(5)	Q5. How do we play with things?	Problematic answer	

Statement of Aim :- So, Dear students, Today we will discuss about the poem 'play things' in detail.

हेमवती नन्दन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

B.Ed.

Session-20.21.....-20.23.....

MICRO TEACHING

Name of Pupil Teacher....LAXMI.....RANA.....

Roll No.-.....35.....Class-....B.ed.....Section.....

Subject-.....SOCIAL....STUDIES.....

व्याख्यान कौशल

कौशल के घटक -:

1. प्रारम्भिक कथन,
2. कथनों में तारतम्यता,
3. परस्पर सहसम्बन्धित कथन,
4. असम्बद्ध कथन,
5. उपयुक्त शब्दों एंव भाषा का प्रयोग,
6. निष्कर्षात्मक कथन,
7. परीक्षण के लिए बोधात्मक प्रश्न पूछना,

पाठ योजना - 5

दिनाँक - 29-08-22
कक्षा - 8th

विषय - सामाजिक विज्ञान
उपविषय - इतिहास
प्रकरण - वनों का महत्त्व

अवधि - 5 min
वादन - II

पाठ्यवस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र / छात्रा क्रिया	छात्रक
वनों का महत्त्व	कथन :- वनों का महत्त्व के बारे में जानना, व्याख्यान :- सबसे अधिक पेड़ वर्षा ऋतु में लगाये जाते हैं, जब किसी क्षेत्र या स्थान पर बहुत से पेड़-पौधे खुद से, उपयुक्त भूमि और वर्षा मिलने से उग जाते हैं, तो वह क्षेत्र को वन क्षेत्र कहते हैं। वन प्रकृति का सन्तुलन बनाये रखने के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण होते हैं, वन वातावरण का शुद्धिकरण करते हैं। वनों के कारण मनुष्य और जीवों को ऑक्सीजन प्राप्त होता है। वन पानी का भरपूर संरक्षण करते हैं, जिससे भूमिगत जल समस्या उत्पन्न नहीं होती। वन अधिक वर्षा के समय मिट्टी के कटाव को रोकते हैं। इसलिए हमें समझना होगा कि अगर वृक्ष नहीं होंगे तो हम भी नहीं बचेंगे। सारांश :- सबसे अधिक वृक्ष वर्षा ऋतु में लगाये जाते हैं। वनों से हमें हवा, भोजन, फल, लकड़ी, पानी और दवा प्रदान करते हैं। वन जलवायु, मृदा अपरदन को रोकने और ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने में मदद करता हैं। वन वातावरण को संतुलित बनाये रखते हैं। "वन ही जीवन हैं।"	छात्र / छात्रा ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	1 2 3 4 5 6

पाठ योजना - 7

दिनांक - 09-09-22
कक्षा - 9th

विषय - सामाजिक विज्ञान
उपविषय - इतिहास
प्रकरण - फ्रांसीसी क्रांति के राजनीतिक प्रतीक

अवधि - 5min
वादन - II

पाठ्यवस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	शिक्षण सहायक सामग्री	घटक
फ्रांसीसी क्रांति के राजनीतिक प्रतीक	स्पष्टीकरण :- 18वीं श ज्यादातर शिक्षित नहीं थे, इ महत्वपूर्ण विचारों क करने के लिए इ शब्दों के बजाय आकृतियों एवं प्रत प्रयोग किया जाता ले वार्बिये ने अपने में अधिकारों को घोष को जनता तक पहुँच लिए अनेक प्रतीकों किया। टूटी हुई जंजीर :- लिए जंजीरों का प्रय था, टूटी हुई हथक स्वतंत्रता का प्रतीक घड़ो का बर्छीदार गद बल है। त्रिभुज के भीतर रो बिखेरती आँख :- स आँख का प्रतीक है। राजदंड :- शाही सत्ता का प्रतीक, नीला - सफेद - लाल :- फ्रांस के राष्ट्रीय रंग विधि पट :- कानून सबके लिए बराबर है।		 टूटी हुई जंजीर घड़ो का बर्छीदार गदा त्रिभुज के भीतर रोशनी बिखेरती आँख राजदंड 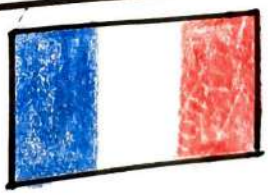 नीला - सफेद - लाल 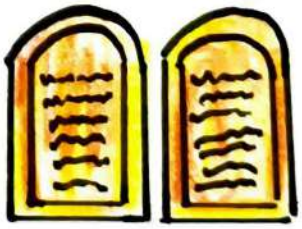 विधि पट 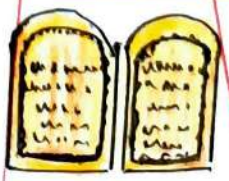 विधि पट	1 2 3 4 5

School Observation File

H.N.B. P.G. College

Manisha Kunwar

TIME-TABLE (CLASS-WISE) 2021-22

FROM - 21 FEB 22

	I PD 9:00 - 9:40	II PD 9:40 - 10:15	III PD 10:15 - 10:50	IV PD 10:50 - 11:25
NUR	ENG Ms. Neha	ACTIVITY Ms. Neha	HINDI Mrs. Prema	MTWTh RHYMES FS DRAW Ms. Neha
LKG UKG	HINDI Mrs. Prema	MATHS Mrs. Prema	ENGLISH Ms. Neha	ACTIVITY & ORAL Mrs. Prema
I	ENG Mrs. Rajani	HINDI Ms. Anita	MATHS Ms. Vandana	Lit Th GAMES LIB T ENG SP
II	HINDI Mrs. Vandana	ENG Ms. Rajani	MATHS Ms. Shail	MT Eng SP W LIB ThFS GAMES
III	HINDI Ms. Anita	MATHS Ms. Shail	ENG Ms. Rajani	MTW (SP) COMP ThFS SANS T
IV	MATHS Ms. Shail	MTW SANS T ThFS COMP (SP)	EVS Mshatt	HINDI Ms. Vandana
V	MATHS Ms. Reeta	HINDI Ms. Vandana	MTW COMP ThFS SANS	EVS Ms. Deepa

	V PD 11:40 - 12:15	VI PD 12:15 - 12:50	VII PD 12:50 - 1:25	VIII PD 1:25 - 2:00
R	MATHS Ms. Vandana	MT DRAW WTh FS GAMES Ms. Neha		
E	MTWTh GAMES FS DRAW Ms. Prema	MT DRAW WTh FS RHYMES Ms. Prema		
C	ORAL MT HINDI WTh MATHS FS ENG	MTWTh SANS T FS DRAW		
E	MTWTh SANS FS DRAW Mrs Tyoh T	ORAL T MT ENG WTh HINDI FS MATHS Ms. Vandana		
S	EVS Ms. Neha	MT G.K W DRAW ThFS GAMES	MW MATHS T SANS T Th COMP SP FS ENG	MT EVS ThS HINDI F LIB W ENG SP
S	ENG Ms. Rajani	MTW GAMES Th LIB FS G.K	M ENG T DRAW WTh HINDI FS EVS	MW MATHS T COMP Th ENG F ENG SP S SANS
	MTW GAMES Th DRAW FS Gek	ENG Ms. Rajani	MT MATHS WTh ENG FS HINDI Ms. Vandana	MW EVS T SANS T Th LIB F COMP (SP) S ENG

SCHOOL TIME-TABLE :

Introduction: A school timetable is a calendar that coordinates the teachers and students within the classroom and time periods of the school day. Other factors includes the class subject and the type of classrooms available. Its a mirror that reflects the entire educational programme followed in the school.

There are different types of time tables:-

1) Class wise timetable
   a) Summer time-table
   b) Winter time-table.

2) Teacher wise timetable

3) Exam timetable

4) Co-curricular activities timetable.

Principles of Timetable Construction:-

1) Principle of Fatigue:- The best period for the fatigue creating subjects are the second and third period in the morning and second period in the afternoon.

2) Principle of variety:- It is better not to have same subject for the two consecutive periods. There should be alteration for mental and physical task.

School Timetable of Maharishi Vidya Mandir

Below mentioned table describes the current timetable followed by the school.

PERIOD	TIME
Assembly	8:45 - 9:00 am.
1st period	9:00 - 9:40 am.
2nd period	9:40 - 10:15 am.
3rd period	10:15 - 10:50 am.
4th period.	10:50 - 11:25 am.
RECESS	11:25 - 11:40 am.
5th period	11:40 - 12:15 p.m.
6th period	12:15 - 12:50 p.m.
7th period	12:50 - 1:25 p.m.
8th period.	1:25 - 2:00 p.m.

"Healthier you will feel if you eat a healthy meal."

MID DAY MEAL :-

Mid day Meal Scheme

The Mid day meal is the world's largest school feeding programme reaching out to about 12 crore children in over 12.65 lakh schools across the country.

1. With a view to enhancing enrollment, retention, attendance and simultaneously improving nutritional level among children, the National Programme of Nutritional Support to Primary Education (NP-NSPE) was launched as a centrally sponsored scheme on 15 Aug 1995. Centeral Assistance under the scheme consisted of free supply of food grains @ 100 grams per child per day, and subsidy for transporation of food grains upto a maximum of Rs 50 per quintal.

2. In october 2007, the scheme has been further revised to cover children in upper primary (class VI to VIII) the calorific value of a mid-day meal at upper primary stage has been fixed at a minimum of 700 calories and 20 grams of protein by providing 150 grams of food grains (rice/wheat) per child/school day.

Entitlement norm per child/day under MDM

Item	Primary Class I - V	Upper primary Class VI - VIII
Calories (kcal)	450	700
Protein (in gms)	12	20
Rice / Wheat (in gms)	100	150
Dal (in gms)	20	30
Vegetables (in gms)	50	75
Oil & fat (in gms)	5	7.5

In the case of micronutrients (vitamin A, iron and folate) tablets and deworming mediciens, the students is entitled to receive the amount provided for in the School health programme of the National Rural Health Mission.

WORLD SCIENCE DAY
WORLD SCIENCE DAY

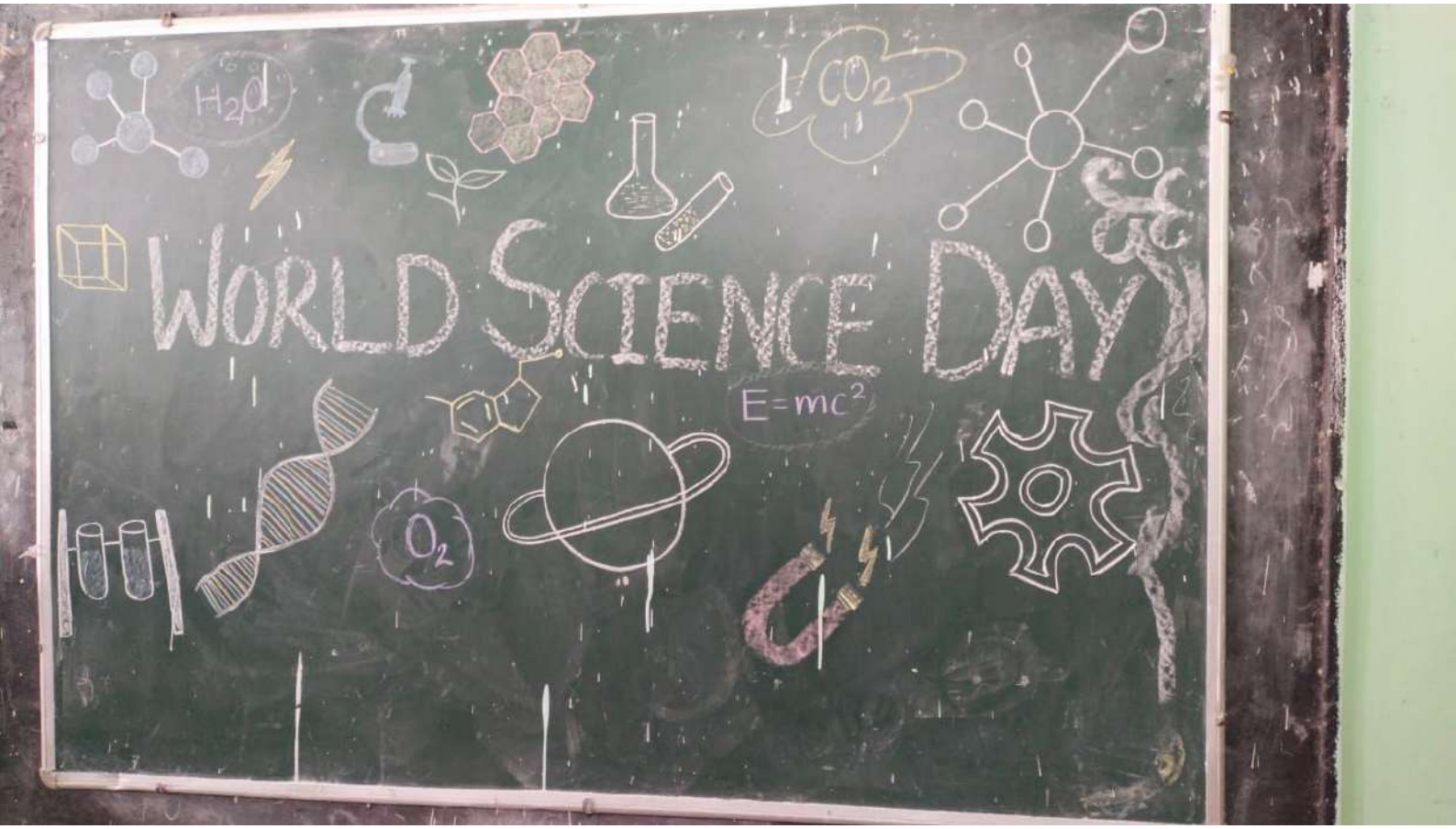
WORLD SCIENCE DAY
H_2O
CO_2
$E=mc^2$
O_2

PROJECT
OF

Don't Cut Trees.
Save Animals
Save Water

ENVIRONMENT AWARENESS

ERECT SYSTEM
PROSTRATE SYSTEM
UNICELLULAR RHIZOIDS
PERICENTRAL CELL
PIT CONNECTION
CENTRAL VACUOLE
CHROMATOPHORE
AXIAL CELL
NUCLEUS
TETRASPORE
FERTILE BRANCH
MALE PLANT
FEMALE PLANT
PERICENTRAL CELL
SUPPORTING CELL
LIFE CYCLE
CARPOGONIUM
CARPOGONIAL FILAMENT
SPERMATANGIUM
SPERMATIUM
NUCLEUS
OOSPORE
AUXILIARY CELL
LATERAL STERILE FILAMENT
SUPPORTING CELL
BASAL STERILE FILAMENT

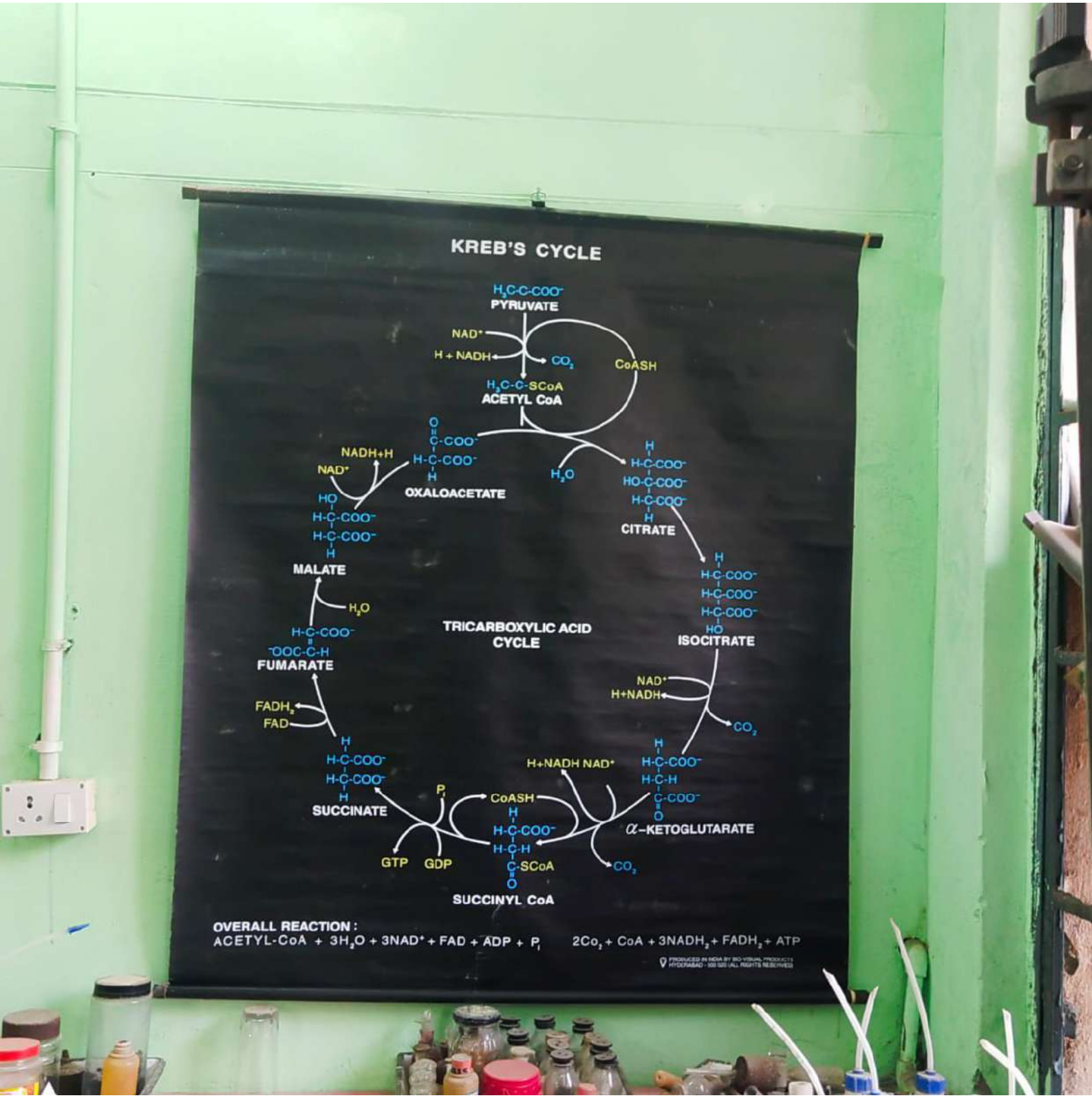
KREB'S CYCLE
PYRUVATE
NAD+
H + NADH
CO2
CoASH
ACETYL CoA
OXALOACETATE
H2O
CITRATE
ISOCITRATE
NAD+
H+NADH
CO2
α-KETOGLUTARATE
H+NADH NAD+
CO2
SUCCINYL CoA
CoASH
Pi
GTP
GDP
SUCCINATE
FADH2
FAD
FUMARATE
H2O
MALATE
NADH+H
NAD+
TRICARBOXYLIC ACID CYCLE
OVERALL REACTION :
ACETYL-CoA + 3H2O + 3NAD+ + FAD + ADP + Pi
2Co2 + CoA + 3NADH2 + FADH2 + ATP

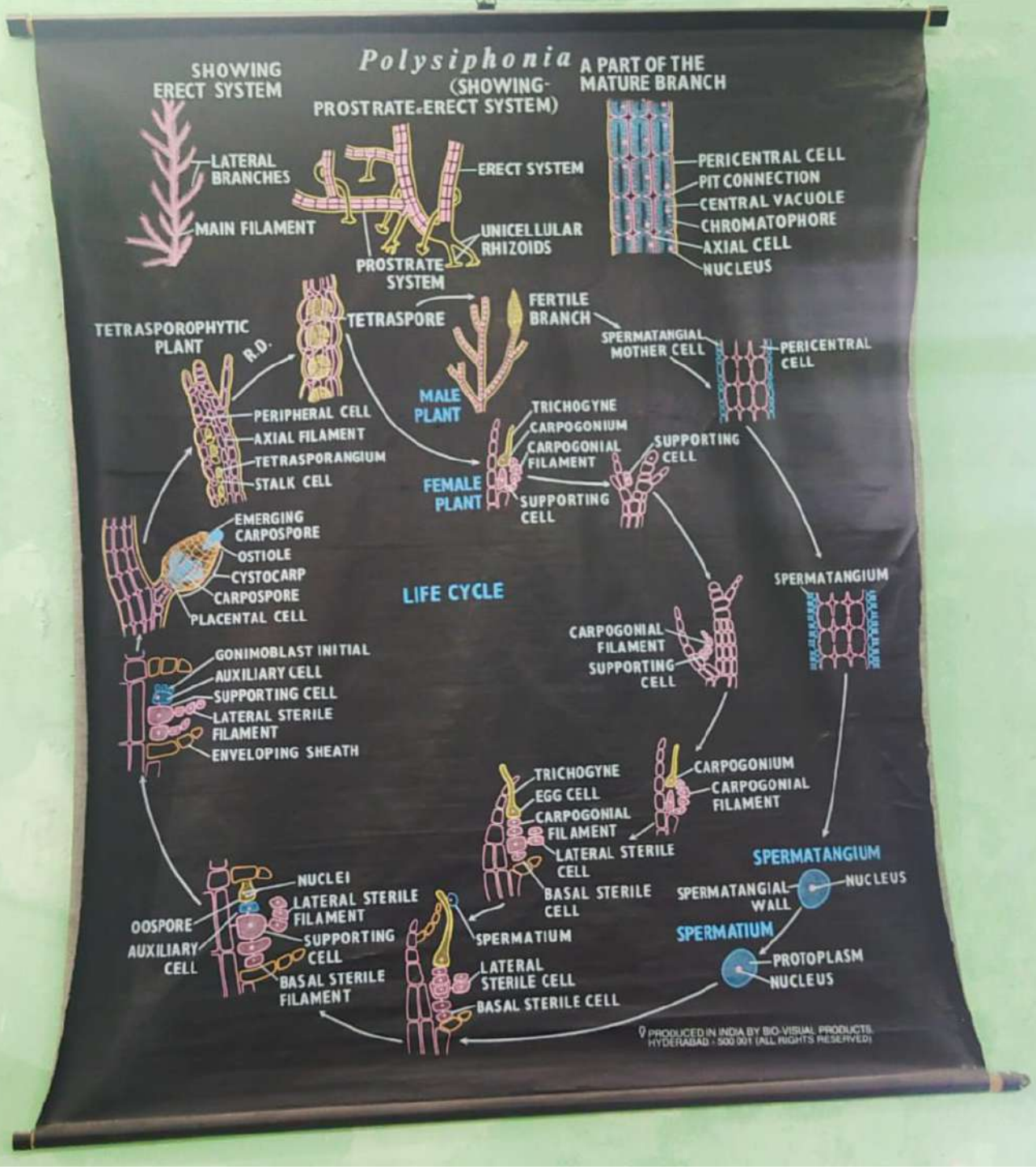
Polysiphonia
SHOWING ERECT SYSTEM
(SHOWING- PROSTRATE-ERECT SYSTEM)
A PART OF THE MATURE BRANCH
LATERAL BRANCHES
MAIN FILAMENT
ERECT SYSTEM
UNICELLULAR RHIZOIDS
PROSTRATE SYSTEM
PERICENTRAL CELL
PIT CONNECTION
CENTRAL VACUOLE
CHROMATOPHORE
AXIAL CELL
NUCLEUS
TETRASPOROPHYTIC PLANT
R.D.
TETRASPORE
FERTILE BRANCH
MALE PLANT
SPERMATANGIAL MOTHER CELL
PERICENTRAL CELL
PERIPHERAL CELL
AXIAL FILAMENT
TETRASPORANGIUM
STALK CELL
TRICHOGYNE
CARPOGONIUM
CARPOGONIAL FILAMENT
SUPPORTING CELL
FEMALE PLANT
SUPPORTING CELL
EMERGING CARPOSPORE
OSTIOLE
CYSTOCARP
CARPOSPORE
PLACENTAL CELL
LIFE CYCLE
SPERMATANGIUM
CARPOGONIAL FILAMENT
SUPPORTING CELL
GONIMOBLAST INITIAL
AUXILIARY CELL
SUPPORTING CELL
LATERAL STERILE FILAMENT
ENVELOPING SHEATH
TRICHOGYNE
EGG CELL
CARPOGONIAL FILAMENT
LATERAL STERILE CELL
BASAL STERILE CELL
CARPOGONIUM
CARPOGONIAL FILAMENT
SPERMATANGIUM
SPERMATANGIAL WALL
NUCLEUS
SPERMATIUM
PROTOPLASM
NUCLEUS
NUCLEI
LATERAL STERILE FILAMENT
OOSPORE
AUXILIARY CELL
SUPPORTING CELL
BASAL STERILE FILAMENT
SPERMATIUM
LATERAL STERILE CELL
BASAL STERILE CELL
PRODUCED IN INDIA BY BIO-VISUAL PRODUCTS, HYDERABAD - 500 001 (ALL RIGHTS RESERVED)

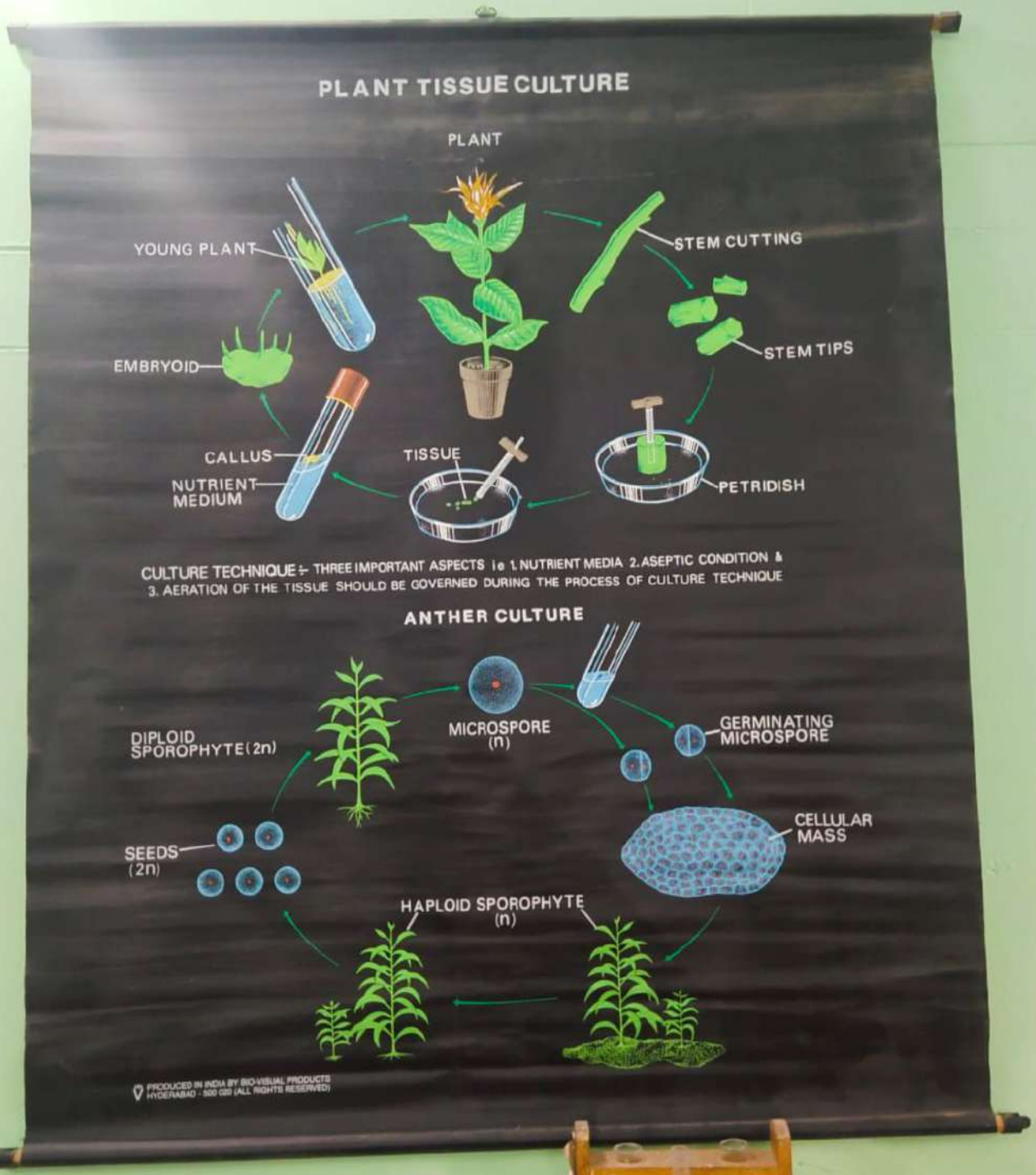
PLANT TISSUE CULTURE
PLANT
YOUNG PLANT
STEM CUTTING
STEM TIPS
EMBRYOID
CALLUS
NUTRIENT MEDIUM
TISSUE
PETRIDISH
CULTURE TECHNIQUE :- THREE IMPORTANT ASPECTS i.e 1. NUTRIENT MEDIA 2. ASEPTIC CONDITION & 3. AERATION OF THE TISSUE SHOULD BE GOVERNED DURING THE PROCESS OF CULTURE TECHNIQUE
ANTHER CULTURE
MICROSPORE (n)
GERMINATING MICROSPORE
DIPLOID SPOROPHYTE (2n)
CELLULAR MASS
SEEDS (2n)
HAPLOID SPOROPHYTE (n)
PRODUCED IN INDIA BY BIO-VISUAL PRODUCTS HYDERABAD - 500 020 (ALL RIGHTS RESERVED)

H.N.B.P.G. GOVT. COLLEGE, KHATIMA

KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL

Topic

"Study of Various Particle Detector"

M.Sc (Physics) IV SEMESTER

Submitted To:-
Pramod Kumar

Submitted By:-
Maneesh Kumar

H.N.B.P.G. COLLEGE KHATIMA

DISSERTATION TOPIC

"Fundamental particle; atom to quark"

M.Sc.(physic) IV SEMESTER

Submitted TO:-

Mr. Pramod Kumar

Submitted BY:-

Sudhir Kumar

STUDY OF SEQUENTIAL LOGIC CIRCUITS

Dissertation

Submitted for partial fulfilment for the degree of

Master of science (M.Sc.) in Physics

By

Saurabh Bhatt

to the

Department of Physics

Kumaun University, Nainital

Under the Supervision of

Dr. Sandhya Bhatt
Assistant Professor
Department of Physics
H.N.B. Govt. P.G. College, Khatima- 262308
U. S. Nagar, Uttarakhand

2022

Assignment

Name – Vaishali Bhatt
M.Sc (III Sem)

Roll no. – 19031071001 0

Subject – Physics

H.N.B.P.G. COLLEGE
KHATIMA

Physics
Assignment

Name : Saurabh Bhatt

Class : M.Sc Physics IInd sem

Roll no : 20031071005

Email : saurabhsonu1005@gmail.com

Phone no : 8476867148

SUBMITTED TO : MR. PRAMOD KANDPAL SIR

SUBMITTED BY : SAURABH BHATT

Glimpses of research work done by Mansi Kothari for her M. Sc. DESSERTATION

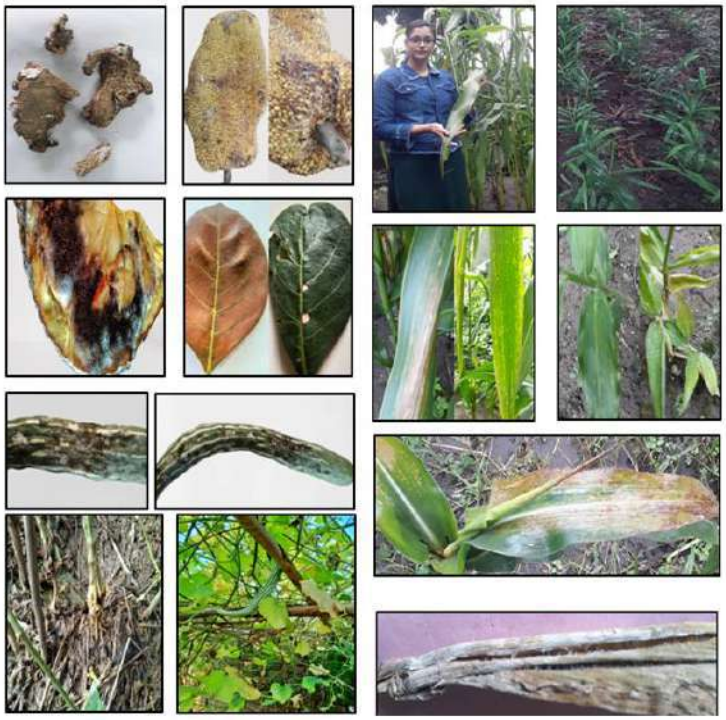

Collection of Plant part samples for the occurrence of some phytopathogenic fungi

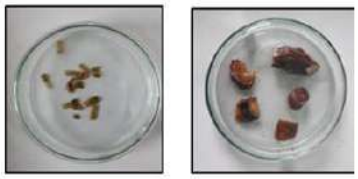

Plate 2: Incubation of Ginger leaf and rhizome.

Plate 3: Incubation of Maize leaf and tassel.

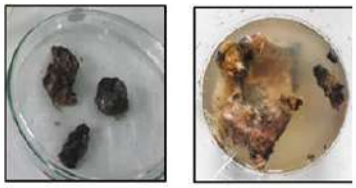

Plate 4: Jackfruit sample preserved under formaldehyde.

INCUBATION

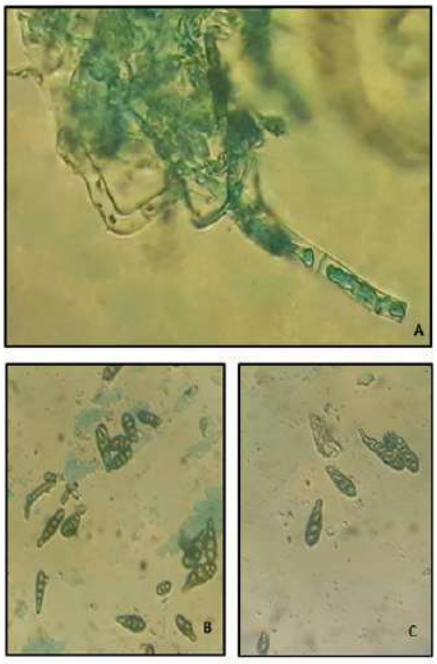

Plate 7: *Alternaria tenuissima* (A) Septate mycelium (B-C) Conidia with beak.

Photomicrographs of Pathogens